दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K&K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-89 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 13 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

लाखों छात्रों को झटका

नीट यूजी 2026 रद्द, पेपर लीक की जांच सीबीआई करेगी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया

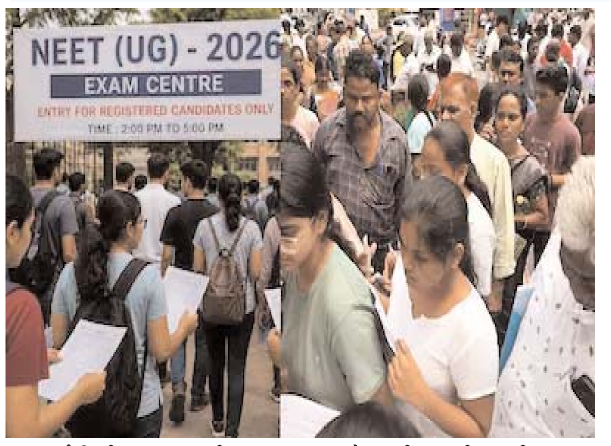

नई दिल्ली,(ए.)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 को पेपर लीक के गंभीर आरोपों के चलते रद्द किया गया है। केंद्र की मोदी सरकार ने इस संवेदनशील मामले की गहन जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को आदेश दिए हैं, इससे मेडिकल की तैयारी कर रहे लाखों उम्मीदवारों को बड़ा झटका लगा है। यह परीक्षा रविवार, 3 मई 2026 को पूरे देश में आयोजित की गई थी।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा की। एनटीए ने स्पष्ट किया कि 8 मई 2026 को ही विचाराधीन मामलों को स्वतंत्र सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दिया गया था। एजेंसी ने राष्ट्रीय परीक्षाओं के निष्पक्ष, सुरक्षित और विश्वसनीय संचालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है, जिसके अनुरूप यह कदम उठाया गया है। एनटीए ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से की गई जांच और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा किए गए जांच निष्कर्षों के आधार पर, तथा प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, भारत सरकार की मंजूरी से 3 मई 2026 को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को रद्द करने का निर्णय हुआ है। अब यह परीक्षा अलग से अधिसूचित नई तिथियों पर पुनः आयोजित की जाएगी।नीट यूजी 2026 के पेपर लीक की आशंकाएं मुख्य रूप से राजस्थान से सामने आई थीं, जहां से कई चौंकाने वाले दावे किए गए थे। राजस्थान विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने इन आरोपों की विस्तृत जांच शुरू की थी। एसओजी को एक हस्तलिखित सुझाव पत्र मिला है, जिसके करीब 120 प्रश्न नीट के वास्तविक प्रश्नपत्र से हूबहू मेल खाते हैं। इसमें करीब 90 जीव विज्ञान के प्रश्न और 30 रसायन विज्ञान के प्रश्न शामिल थे, जो लीक के दावों को बल देते हैं।इस फैसले ने उन लाखों छात्रों के भविष्य को अधर में लटका दिया है जिन्होंने महीनों तक इस प्रतिष्ठित परीक्षा की तैयारी में कड़ी मेहनत की थी। सीबीआई जांच से उम्मीद की जा रही है कि वह इस पूरे मामले की तह तक जाएगी और जिम्मेदार व्यक्तियों को कानून के कटघरे में खड़ा करेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की शुचिता और विश्वसनीयता बनी रहे।

चेन्नई से अबू धाबी के लिए उड़ान को तैयार एतिहाद विमान के पंख में लगी आग

चेन्नई, (आरएनएस)। तमिलनाडु के चेन्नई से अबू धाबी के लिए उड़ान की तैयारी कर रही एतिहाद एयरवेज के एक विमान में मंगलवार को आग लग गई। घटना के समय विमान चेन्नई हवाई अड्डे पर उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी उसके बाएं पंख में आग लगी और हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर मौके पर मौजूद अग्निशमन दल के कर्मियों ने आग को बुझाया और उड़ान रद्द कर दी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, घनटा के समय विमान में चालक दल के सदस्यों के साथ 280 यात्री सवार थे। पंख में आग लगते ही सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। किसी भी यात्री के चोट लगने या घायल होने की खबर नहीं है।

स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्यों और समर्थकों ने नई दिल्ली में कथित नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मुंगवानी में 1835 करोड़ रुपये से अधिक राशि का करेंगे अंतरण

1.25 करोड़ बहनों को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की मिलेगी 36वीं किश्त

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 13 मई को नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं की परिवार के निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है, पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

करोड़ों महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक परिवर्तन

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने मध्यप्रदेश में महिला कल्याण के क्षेत्र में एक नई मिसाल स्थापित की है। यह केवल आर्थिक सहायता योजना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन गई है। योजना से प्रदेश की महिलाओं के जीवन में व्यापक और सकरात्मक परिवर्तन आए है। नियमित आर्थिक सहायता ने महिलाओं को घरेलू खर्चों के प्रबंधन ने अधिक आत्मनिर्भर बनाया है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक प्रभावी ढंग से खर्च कर पा रही है। योजना से प्राप्त राशि ने अनेक महिलाओं को स्व-सहायता समूहों, लघु उद्योगों और स्व-रोजगार गतिविधियों से जुड़ने के लिये प्रेरित किया है। इससे उनकी आय के अतिरिक्त स्त्रोत विकसित हुए है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ महिलाओं के परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है और उनकी राय को अधिक महत्व मिलने लगा है। बैंक खातों में सीधे राशि अंतरण की व्यवस्था ने महिलाओं को औपचारिक बैंकिग और वित्तीय सेवाओं से जोड़ा है। इससे बहनों में वित्तीय साक्षरता और आर्थिक आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है।

तमिलनाडु में एक वोट से जीते टीवीके विधायक को झटका, विधानसभा कार्यवाही में नहीं लेंगे भाग

चेन्नई, (आरएनएस)। तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में एक वोट से जीत दर्ज करने वाले तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के विधायक आर सीनिवास सेतुपति को झटका लगा है। मद्रास हाई कोर्ट ने तिरुप्पत्तूर से विधायक सेतुपति को मंगलवार को होने वाली विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेने से रोक दिया है। कोर्ट ने यह आदेश तिरुप्पत्तूर निर्वाचन क्षेत्र में उनके प्रतिद्वंद्वी और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के उम्मीदवार केआर पेरियाकरुप्पन की याचिका पर दिया। पेरियाकरुप्पन सेतुपति से मात्र एक वोट से हारे हैं। पेरियाकरुप्पन ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि डाक से भेजा गया एक मतपत्र गलत निर्वाचन क्षेत्र में चला गया, जिससे उसकी गिनती नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव अधिकारियों की ओर से इस चूक के संबंध में कोई जवाब नहीं मिला है।

असम में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हिमंता सरमा, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

दिसपुर (आरएनएस)। असम की राजनीति में मंगलवार का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब हिमंता बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह असम में लगातार दो कार्यकाल तक मुख्यमंत्री बनने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता बन गए। गुवाहाटी में आयोजित

भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने रविवार को उन्हें एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री नियुक्त किया था। असम में यह एनडीए सरकार का लगातार तीसरा कार्यकाल भी है। इससे पहले 2016 में भाजपा के नेतृत्व में पहली बार सर्बानंद सोनोवाल मुख्यमंत्री बने थे, जबकि 2021 में हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य की कमान संभाली थी। शपथ ग्रहण समारोह को बेहद खास माना गया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के अलावा एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल हुए।हिमंता बिस्वा सरमा का राजनीतिक सफर भी काफी दिलचस्प रहा है। 2015 में उन्होंने कांग्रेस छोड़कर अमित शाह की पहल पर भाजपा का दामन थामा था। उस समय असम में कांग्रेस का दबदबा था और भाजपा के पास केवल पांच विधायक थे, लेकिन हिमंता सरमा ने भाजपा को पूर्वोत्तर में मजबूत करने के लिए रणनीतिक तरीके से काम किया।

नीट पेपर लीक के विरोध में शिक्षा मंत्रालय के बाहर एनएसयूआई का प्रदर्शन, केजरीवाल ने भी केंद्र पर साधा निशान

नई दिल्ली (आरएनएस)। नीट परीक्षा रद्द किए जाने को लेकर जहां एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने जहां जमकर प्रदर्शन किया तो वहीं आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सरकार पर जमकर हमला बोला. बता दें कि नीट परीक्षा में पेपर लीक के विरोध में मंगलवार को नेशनल स्टूडेंटस यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने शिक्षा मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए. प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्रालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा. दिल्ली पुलिस के साथ सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों की मौजूदगी में इलाके को पूरी तरह छावनी में बदल दिया गया.प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैरिकेडिंग लगा दी थी. इसके बावजूद प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और केंद्र सरकार तथा शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

केरलम में इस बार 4 दिन पहले दस्तक दे सकता है मानसून

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में अलग-अलग मौसम के रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में अंधड़, मूसलधार बारिश, ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। दूसरी तरफ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में लू का असर देखा जा रहा है। सोमवार को सबसे ज्यादा तापमान राजस्थान के बाड़मेर में 47.3 डिग्री दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने पश्चिमी विक्षोभ से उत्तर-पश्चिम और पूर्वी इलाकों में आंधड़-बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी।

आईएमडी के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में बन रही मौसमी गतिविधियों से मानसून आगे बढ़ने का संकेत मिल रहा है। दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के आस-पास का मौसम दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अनुकूल होने से दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश की संभावना है। केरलम में मानसून आने की सामान्य तारीख 1 जून है। इस बार 25-27 मई के बीच ही पहुंचने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में सोमवार को खराब मौसम के चलते कहीं घरों और स्कूलों की छतें उड़ गईं, कहीं पेड़ और बिजली के खंभे धराशायी हो गए। इससे भारी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक मौसम बिगड़ने की चेतावनी देते हुए लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। ऊंचाई वाले इलाकों में ओलावृष्टि या बर्फबारी होने की भी संभावना जताई गई है। साथ ही इस दौरान भूस्खलन का खतरा भी बढ़ सकता है।

मौसम विभाग ने बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में बारिश के साथ अंधड़ और बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। बिहार में कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं और हवा की रफ्तार 50-60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में अगले कुछ दिनों तक लगातार बारिश हो सकती है। इसके साथ ही तमिलनाडु, केरलम, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक बारिश जारी रह सकती है।

दिल्ली समेत एनसीआर के लोगों को फिलहाल गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 12 मई को राजधानी में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके कारण अगले 3 दिनों में तापमान में 1-2 डिग्री तक गिरावट देखने को मिल सकती है। पंजाब और हरियाणा में भी मौसम खराब होने की संभावना जताई गई है।

मौसम में आए बदलाव के कारण कई राज्यों में भीषण गर्मी से राहत मिली है, वहीं राजस्थान, गुजरात, पश्चिम मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में लू चलने की चेतावनी दी गई है। पश्चिम राजस्थान और कच्छ-सौराष्ट्र इलाके में गर्मी ज्यादा परेशान कर सकती है।

सीबीआई करेगी सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या की जांच, 7 सदस्यीय एसआईटी का गठन

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की कथित हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज कर राज्य पुलिस से जांच अपने हाथ में ले ली है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने जांच का जिम्मा संभाला है.अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने दिल्ली के विशेष अपराध

विभाग के एक डीआईजी के नेतृत्व में सात सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है, जिसमें एजेंसी की विभिन्न इकाइयों के कुछ बेहतरीन जांचकर्ता शामिल हैं. यह दल कोलकाता के संयुक्त निदेशक को जानकारी देगा.उन्होंने बताया कि सीबीआई के कोलकाता जोन के अधिकारी भी जांच के लिए इस दल में शामिल होंगे. अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई की टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और उसने जांच शुरू कर दी है.प्रक्रिया के अनुसार सीबीआई राज्य पुलिस की प्राथमिकी को अपने मामले के रूप में पुन: दर्ज करती है, जो जांच का प्रारंभिक बिंदु बन जाता है फिर जांच स्वतंत्र रूप से की जाती है. इसके बाद सीबीआई सक्षम न्यायालय के समक्ष अंतिम रिपोर्ट दाखिल करती है, जो उसकी जांच के निष्कर्षों के आधार पर आरोपपत्र या मामले को बंद करने संबंधी याचिका हो सकती है।

रिश्वत कांड: सीबीआई के शिकंजे में दिल्ली पुलिस इंस्पेक्टर सुभाष यादव, एंटी नारकोटिक्स यूनिट में हड़कंप

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर सुभाष यादव को कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने व वसूली की साजिश में गिरफ्तार किया है. एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स में तैनात इस अधिकारी की गिरफ्तारी से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है.सीबीआई ने आरोपी के ठिकानों पर छापेमारी कर अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत भी बरामद किए हैं, जिससे इस बड़े रिश्वत नेटवर्क के और खुलासे होने की संभावना है.आरोपी इंस्पेक्टर सुभाष यादव दिल्ली पुलिस के एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स में तैनात है. इंस्पेक्टर पर एक कारोबारी से कार्रवाई न करने व मामले को दबाने के बदले भारी रकम की मांग करने का आरोप है. शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने प्रारंभिक जांच शुरू की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर ट्रैप की कार्रवाई की गई. इसके बाद आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने पेट्रोल-डीजल की किल्लत को नकारा, कहा- अभी 60 दिन का भंडार

नईदिल्ली, (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में तनाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद देश में एक बार फिर पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति रो लेकर चिंता और अफवाह बढ़ गई है। इस पर मंगलवार को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं और किसी को घबराना नहीं चाहिए। सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में पुरी ने कहा कि देश के पास 60 दिनों का कच्चा तेल भंडार सुरक्षित है।

पुरी ने कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पाद की कमी नहीं है। भारत के पास 60 दिनों का कच्चा तेल, 60 दिनों की एलएनजी और 45 दिनों का एलपीजी भंडार है। पुरी ने कहा कि कुछ लोगों ने कालाबाजारी की और अफवाह फैलाने की पूरी कोशिश की, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में ईंधन में कोई कमी नहीं आई। उन्होंने कहा कि कई देशों में तेल के दाम और उपलब्धता में उतार-चढ़ाव है, लेकिन भारत पर असर नहीं दिखा।पुरी ने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के बीच निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत ने अपने दैनिक एलपीजी उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि 35,000 टन से बढ़ाकर 54,000 टन की है। उन्होंने कहा, डेढ़ दिन से यह घबराहट क्यों मची हुई है? प्रधानमंत्री ने वास्तव में क्या कहा है, उसे देखें और उस पर कोई बेतुका अर्थ न निकालें। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी अल्पकालिक व्यवधान से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

ओमान, यमन, यूएई, कतर, सउदी अरब में मध्यप्रदेश के गेहूँ की बढ़ी साख

देश के गेहूं निर्यात में म.प्र. का योगदान 40 प्रतिशत

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं के परिणामस्वरूप इस साल गेहूँ उत्पादन 365.11 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। उत्पादकता बढ़कर 3780 किलो प्रति हैक्टेयर हो गई है। मध्यप्रदेश "गेंहू प्रदेश" बन गया है। देश के कुल गेहूँ उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान 18 प्रतिशत है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मध्यप्रदेश के गेंहू की मांग लगातार बनी हुई है। प्राकृतिक मिठास के कारण शरबती और डयूरम गेहूँ की मांग जर्मनी, अमेरिका, इटली, यूके, दुबई, साउथ अफ्रीका जैसे देशों में बनी हुई है। भारत से विदेशों को निर्यात किये जाने वाले गेहूँ में मध्यप्रदेश का योगदान 35 से 40 प्रतिशत होता है। प्रदेश के गेहूँ को ओमान, यमन, यूएई, साउथ कोरिया, कतर, बांग्लादेश, सउदी अरब, मलेशिया, साउथ अफ्रीका और इंडोनेशिया में पसंद किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का गेहूँ ब्रेड, बिस्किट और पास्ता के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गेहूँ उत्पादक किसानों के हित में नई योजनाएं बनाने और समय पर मदद करने की रणनीति के फलस्वरूप मध्यप्रदेश ने परंपरागत गेहूँ उत्पादक राज्यों की बराबरी कर ली है। वर्ष 2004-05 में सिर्फ 42 लाख हैक्टेयर में गेहूँ होता था, जो आज बढकर 96.58 लाख हैक्टेयर हो गया है।

क्या है मध्यप्रदेश के गेंहू में

भारत सरकार के गेहूँ अनुसंधान निदेशालय ने अपने अनुसंधान में दो हजार सेम्पल का परीक्षण करने के बाद उच्च स्तर की गुणवत्ता का दाना पाया। प्रदेश के सामान्य से सामान्य किस्म के गेहूँ में भी औसत रूप से 12.6 प्रतिशत प्रोटीन, 43.6 पीपीएम (पार्टस पर मिलियन) आयरन तथा 38.2 पीपीएम जिंक पाया गया है। कठिया प्रजाति के गेहूँ में भरपूर प्रोटीन, आयरन, मैग्नीज और जिंक है। इन्हीं विशेषताओं से मध्यप्रदेश के गेहूँ को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अच्छी कीमत मिलती है।प्रदेश में गेंहू की उगाई जाने वाली किस्मों की अपनी विशेषताएं हैं, जैसे जे.डब्ल्यू.एस.17, जे.डब्ल्यू. 3020 और जे.डब्ल्यू. 321 नामक गेहूँ की किस्में - एक सिंचाई में 35 क्विंटल तक उत्पादन देती हैं। जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 3288 तथा जे.डब्ल्यू. 1203 किस्मों से अधिक तापमान में भी बेहतर उत्पादन मिलता है। जे.डब्ल्यू. 1202 और जे.डब्ल्यू. 3288 तथा जे.डब्ल्यू. 1106 किस्में प्रोटीन से भरपूर हैं। एमपीआर 1215 और जे.डब्ल्यू. 3211 किस्में निर्यात के लिये बेहतर है।

गेहूँ की 51 किस्मों का विकास

पौष्टिक आहार बनाने के लिये गेहूँ वर्ष 2026 में की जो 5 किस्में उपयोग में आ रही हैं उनमें से 4 मध्यप्रदेश में विकसित की गई हैं। इनमें एम.पी.ओ. 1215, एम.पी. 3211, एम.पी. 1202 एवं एम.पी. 4010 शामिल हैं। मध्यप्रदेश में अब तक गेहूँ की 51 किस्मों का विकास हुआ है। इनमें से 12 किस्मों का विकास सिर्फ एक दशक की अल्प अवधि में हुआ है।

100 लाख मीट्रिक टन उपार्जन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से गेहूँ खरीदी का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 100 लाख मीट्रिक टन हो गया है। प्रदेश में गेहूँ का उपार्जन जारी है। किसानों के लिए उपार्जन केन्द्रों में पूरे इंतजाम किए गये हैं। गेहूँ उपार्जन 23 मई तक चलेगा। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश देश का सबसे बडा प्रामाणिक बीज उत्पादक राज्य भी है। सहकारी क्षेत्र में बीज उत्पादन में पूरी तरह आत्मनिर्भर हो गया है। बीज उत्पादन कंपनियों से तीन लाख से ज्यादा किसान जुडे हैं। ये कंपनियां अब भंडारण विपणन और खादय प्रसंस्करण से भी जुड़ रही हैं। फार्मर प्रोडयूसर कंपनियों को और ज्यादा मजबूत बनाया जा रहा है। इन सभी गतिविधियों से मध्यप्रदेश न केवल गेहूँ बल्कि अन्य फसलों के उत्पादन में राष्ट्र में अग्रणी बना हुआ है।

श्री सिंह ने लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष का किया पदभार ग्रहण

भोपाल (निप्र) सत्येंद्र भूषण सिंह ने मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड के अध्यक्ष पद का मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी और विधायक भोपाल दक्षिण पश्चिम भगवान दास सबनानी सहित पार्टी पदाधिकारी, संगठन के कार्यकर्ता तथा आयुक्त एमएसएमईदिलीप कुमार उपस्थित थे। अध्यक्ष श्री सिंह ने नियुक्ति पर प्रदेश शासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम केवल एक उपक्रम नहीं, बल्कि लाखों कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों के सपनों का मंच है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा देश के युवा उद्यमियों के लिए

जो रोड मैप तैयार किया गया है उस पर संकल्पित होकर निगम को प्रगतिशील बनायेंगे। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल को ग्लोबल फॉर लोकल बनाना और कारीगर से कारोबारी तक जिले में छिपी हुई हुनर को मुख्य बाजार से जोड़ना, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस, लघु उद्यमियों के लिए प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और लाभप्रद बनाना उनका लक्ष्य है। अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश के हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के प्रयास होंगे।

जनगणना 2027 : प्रदेश में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य तेज़ी से जारी

1 करोड़ 84 लाख से अधिक मकानों की गणना पूर्ण

भोपाल (निप्र) प्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निरंतर प्रगति पर है। प्रदेश में 01 मई 2026 से प्रारंभ हुआ यह फील्ड कार्य 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित की जा रही है। सचिव, गृह विभाग एवं नोडल अधिकारी जनगणना श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि राज्य में जनगणना कार्य के लिए 1 लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें प्रगणकों द्वारा व्यवस्थित रूप से जानकारी एकत्रित की जा रही है। 12 मई 2026 तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 1 करोड़ 84 लाख 92 हजार 860 मकानों की गणना पूर्ण की जा चुकी है। रायसेन जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

पंजीकृत श्रमिकों के लिए संजीवनी बनीं शासकीय योजनाएं

भोपाल (निप्र)। प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक कल्याणकारी कदम उठाए जा रहे हैं। श्रम विभाग और विभिन्न बोर्ड्स के माध्यम से अब श्रमिकों को जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक हर कदम पर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। इनमें प्रसूति सहायता 16 हजार, बेटियों के विवाह के लिये अनुदान 49 हजार रूपये और 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क चिकित्सा लाभ (आयुष्मान भारत) शामिल है।

भोपाल में युवक को चाकू मारा, आंतें बाहर निकली

बाइक टकराने के विवाद में बीच-बचाव करने गया था; बदमाशों ने उसी पर हमला कर दिया

अजय लोधी, मृतक

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के छोला मंदिर इलाके में बाइक टकराने के विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना शनिवार रात की थी। युवक ने मंगलवार तड़के इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार रासलाखेड़ी निवासी अजय लोधी (20) प्राइवेट जॉब करता था। रविवार शाम करीब 7:30 बजे उसके चचेरे भाई नितिन लोधी की बाइक राम मंदिर के पास एक नाबालिग से टकरा गई थी। नाबालिग सबरी नगर में आयोजित माता पूजन कार्यक्रम में शामिल होने आया था। बाइक टकराने पर नाबालिग के साथ आए दीपक ठाकुर और उसके साथियों ने नितिन से विवाद किया। सूचना मिलने पर अजय लोधी मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव किया। इस दौरान दीपक ने उसे धमकी दी।

रात में फिर हुआ आमना-सामना

इस विवाद के कुछ देर बाद ही रासलाखेड़ी इलाके में दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। यहां दोनों ओर से मारपीट हुई। इसी दौरान दीपक ठाकुर ने साथियों के साथ मिलकर अजय लोधी पर चाकू से हमला कर दिया।चाकू अजय के पेट में लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी आंते बाहर आ गई थीं। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां मंगलवार तड़के इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हत्या का केस दर्ज, दो गिरफ्तार

छोला मंदिर थाना पुलिस ने पहले हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। युवक की मौत के बाद धारा बढ़ाकर हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक ठाकुर और उसके एक साथी को सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों से पूछताछ जारी है।

अशोका गार्डन में पिता ने बेटे पर फायर किया : पारिवारिक विवाद में चलाई 12 बोर बंदूक से गोली, आरोपी पिता गिरफ्तार

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते एक पिता ने अपने ही 16 वर्षीय बेटे पर लाइसेंसी 12 बोर बंदूक से फायर कर दिया। घटना सोमवार रात करीब 10:45 बजे एकता पुरी इलाके में हुई। गनीमत रही कि गोली किशोर को नहीं लगी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पिता को गिरफ्तार कर बंदूक व कारतूस जब्त कर लिए।

अशोका गार्डन थाने के सब इंस्पेक्टर ओमकार सिंह के मुताबिक एकता पुरी निवासी 16 वर्षीय राज चौरसिया उर्फ बंटी चौरसिया कक्षा 11वीं का छात्र है। उसकी मां घरों में साफ-सफाई का काम करती है, जबकि पिता अलग रहता है। पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। घटना से दो दिन पहले भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

भोपाल से श्रीनगर, चेन्नई-केरल के लिए उड़ेंगे प्लेन

एयरलाइंस ऑपरेटरों से प्रपोजल मांगें; मीटिंग में उठी थी मांग

भोपाल (आरएनएस)। अगले कुछ महीनों में भोपाल एयरपोर्ट से श्रीनगर, चेन्नई, केरल, देहरादून, कोलकाता, जयपुर, चंडीगढ़-जम्मू समेत अन्य बड़े शहरों के लिए प्लेन उड़ सकते हैं। सांसद आलोक शर्मा की मीटिंग के बाद सरकार ने एयरलाइंस ऑपरेटरों से प्रपोजल मांगें हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सोशल मीडिया हैंडल 'X' पर इसकी जानकारी दी है। जिसमें आरएफपी यानी रिक्वेस्ट फॉर प्रापोजल मांगे गए हैं। कहा गया है कि मध्यप्रदेश शासन ने आरएफपी जारी कर शेड्यूल एयरलाइन ऑपरेटरों को भोपाल एवं मध्यप्रदेश के अन्य हवाई अड्डों से प्रमुख घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ान सेवाएं प्रारंभ करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

इन शहरों के लिए उड़ानें हो सकती हैं शुरू

भोपाल विमानतल सलाहकार समिति के सदस्य मनोज मीक ने बताया राजा भोज एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठकों में यह सुझाव मिले थे कि भोपाल से चेन्नई, कोलकाता, गोवा, जयपुर, चंडीगढ़, जम्मू, श्रीनगर, देहरादून, केरल और अन्य प्रमुख शहरों के लिए बेहतर उड़ान सेवाएं जरूरी हैं। अब एमपी सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देने की पहल की है। इससे एयरलाइंस को भोपाल जैसे संभावनाशील केंद्र से जुड़ने का ठोस आधार मिलेगा।राजधानी भोपाल मध्य भारत का स्वाभाविक कनेक्टिविटी सेंटर है। बेहतर उड़ान सेवाएं पर्यटन, निवेश, उद्योग, शिक्षा, मेडिकल यात्रा, रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और नॉलेज एंड एआई सिटी की संभावनाओं को गति देंगी।

सांसद भी ले चुके मीटिंग

कुछ दिन पहले एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई थी। इसमें सांसद एवं कमेटी अध्यक्ष आलोक शर्मा की मौजूदगी में सुविधाओं, यात्री अनुभव, एयर-कनेक्टिविटी, स्वच्छता, ट्रैफिक व्यवस्था और भविष्य की आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की थी। इससे पहले कमेटी के सदस्य मीक ने ऑनलाइन सुझाव मांगे थे। जिनमें हरीश मूलचंदानी, रजत सिंह, संदीप शर्मा, समीर सबरवाल, संजीव ठाकुर, अरुणेश्वर सिंहदेव, अलका कुमार, राजेश बहुगुणा, सुनील मालवीय, अमित दाधीच आदि ने अपने सुझाव दिए थे। इसके बाद मीक ने बैठक में यह सुझाव रखें। इनमें एयरपोर्ट पर बड़े बैकलिट डिस्प्ले, बेहतर पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, रिक्लाइनर और चेन्नई के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट का सुझाव भी शामिल हैं।साथ ही पार्किंग व्यवस्था, वार्षिक फायर सेफ्टी ऑडिट और आपात स्थितियों में स्टाफ ट्रेनिंग पर जोर दिया। कोलकाता, चंडीगढ़, गोवा, श्रीनगर, जम्मू, जयपुर, उदयपुर और चेन्नई के लिए नियमित उड़ानों की मांग रखी। फ्लाइट संख्या, शहरों की कनेक्टिविटी, टर्मिनल विस्तार और मेट्रो कनेक्टिविटी का सुझाव दिया गया था।

ये सुझाव भी आए

मीटिंग में हैदराबाद होते हुए चेन्नई, कोलकाता होते हुए बागडोगरा, लखनऊ होते हुए देहरादून, जयपुर होते हुए जम्मू और वाराणसी होते हुए अयोध्या जैसे व्यवहारिक रूट सुझाए गए थे। वहीं, राजा भोज एयरपोर्ट को "हेल्दी एयरपोर्ट" बनाने के लिए फ्रूट्स बार, पोहा स्टॉल और स्थानीय स्वाद को बढ़ावा देने का सुझाव मिला था। आगमन क्षेत्र के बाहर शौचालयों की स्वच्छता पर ध्यान दिलाया। एविएशन फ्यूल में राहत, एयरपोर्ट से शहर तक एसी बस सेवा, स्थानीय इतिहास, व्यंजन और पारंपरिक कारीगरी के प्रदर्शन के सुझाव रखे थे।

सौर ऊर्जा अपनाएं, भविष्य बचाएं

शासकीय भवनों में रेस्को मॉडल से सोलर पैनल लगाने के लिए जागरुकता जरुरी : मंत्री श्री शुक्ला

जिला पंचायत भोपाल में शासकीय संस्थाओं और रेस्को विकासक इकाइयों के मध्य हुए विद्युत क्रय अनुबंध

भोपाल(आरएनएस) । नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निरंतर ईंधन (फ्यूल) और ऊर्जा बचाने का आहवान किया गया है। हमें दृढ़ संकल्प के साथ इस दिशा में काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप शासन और प्रशासन को एक साथ मिलकर ग्रीन एनर्जी की ओर शिफ्ट होना होगा। मंत्री श्री शुक्ला मंगलवार को जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में प्रदेश के विभिन्न विभागों के शासकीय भवनों में सोलर रूफ़टॉप संयंत्र स्थापना के लिये शासकीय संस्थाओं व रेस्को विकासक इकाइयों के मध्य विद्युत क्रय अनुबंध निष्पादन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री शुक्ला ने लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि हमारी 50 प्रतिशत ऊर्जा खपत नवकरणीय ऊर्जा से होनी चाहिए और मध्यप्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आमजनों में जागरूकता लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आने वाले समय में हर घर की छत पर सोलर पैनल नजर आने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिये कि कि रेस्को पद्धति के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में समय पर भुगतान एवं उचित मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाएं।

रेस्को एक महत्वपूर्ण बचत योजना

अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने कहा कि रेस्को योजना शून्य निवेश, पहले दिन से बचत और नेट जीरो की ओर बढ़ने का एक सशक्त माध्यम है। यह शासन के लिए एक महत्वपूर्ण बचत योजना है। उन्होंने कहा कि यह एक साझेदारी का प्रोजेक्ट है, इसलिए सभी संबंधित विभागों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए। आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे ही कार्यक्रम प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किए जाएंगे।

समय पर भुगतान पर मिलेगी छूट

प्रबंध संचालक अमनबीर सिंह बैंस ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि रेस्को पद्धति से 3.78 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली जनरेट होगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्परता से बेहतर प्रबंध कर कार्य करने के निर्देश दिए। एमडी श्री बैंस ने बताया कि बिजली बिलों का भुगतान 3 से 10 तारीख के बीच करने पर भुगतान राशि में 1 प्रतिशत की छूट का प्रावधान है, जबकि देरी से भुगतान करने पर 1.5 प्रतिशत की पेनल्टी लगाई जाएगी।

शासकीय कार्यालय बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में बनेंगे सहभागी

योजना के सफल एवं दक्षतापूर्ण क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश निश्चित रूप से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। शासकीय कार्यालय इस मॉडल को अपनाकर न केवल आर्थिक बचत करेंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अपना अहम योगदान देंगे। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

समय-सीमा में कार्य करें पूर्ण : प्रमुख सचिव डॉ. कुमार

31 कन्या छात्रावास बनेंगे आदर्श, 15 मई से शुरू होगा शौर्य संकल्प प्रशिक्षण

भोपाल (आरएनएस)। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार ने मंगलवार को विभागीय समीक्षा कर अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने 'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026' की तैयारियों की जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने इसके प्रभावी और सुचारू क्रियान्वयन के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर के नेतृत्व में योजनांतर्गत 4000 युवाओं को सेना, पुलिस, होमगार्ड एवं अन्य सैन्य बलों में भर्ती के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके कार्यान्वयन के लिए समय-सीमा में कार्य कर अभ्यर्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने 2 दिनों में अनिवार्य रूप से लंबित छात्रवृत्तियों का अनिवार्य रूप से भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए बताया गया कि वर्ष 2025-26 के लिए 36 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने इन चयनित विद्यार्थियों की राशि जल्द जारी कर प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री के आहवान पर लग्जरी कार छोड़ इलेक्ट्रिक स्कूटी से मंत्रालय पहुंचे ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल(आरएनएस) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डीजल , पेट्रोल की बचत करने के लिए वाहनों के कम से कम उपयोग के देशव्यापी आव्हान का असर अब मध्यप्रदेश में भी दिखाई देने लगा है।

प्रधानमंत्री के आहवान के बाद ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मंगलवार को इस पर अमल शुरू कर दिया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर भोपाल में इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहन से न केवल सड़कों पर घूमते नजर आए, बल्कि भोपाल स्थित अपने शासकीय बंगले सी-18 शिवाजी नगर से मंत्रालय भी इसी वाहन से पहुंचे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की अपील का स्वागत करते हैं और उनकी अपील का अनुसरण करते हुए इसका पालन कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह सभी से अपील करेंगे कि वह भी पेट्रोल डीजल का कम से कम इस्तेमाल करें और अत्याधिक आवश्यकता होने पर ही डीजल-पेट्रोल वाहनों का उपयोग करें। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि इससे विदेशों पर हमारी निर्भरता कम होगी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि अपनी विधानसभा में भ्रमण के दौरान भी वह इलैक्ट्रिक दोपहिया वाहन का ही इस्तेमाल करेंगे।

इंदौर में पानी की किल्लत पर लोगों का फूटा गुस्सा, रहवासियों ने सड़क पर मटके फोड़कर जताया विरोध

– महापौर और निगम अधिकारियों के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

इंदौर(ए.)। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच इंदौर जिले में गहराते जल संकट ने अब जनाक्रोश का रूप ले लिया है। मंगलवार को शहर के विकास नगर इलाके में पानी की किल्लत से त्रस्त रहवासियों ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सड़क पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और पुरुषों ने खाली मटके फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया और नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पार्षद के नेतृत्व में प्रदर्शन

विकास नगर स्थित पानी की टंकी के पास हुए इस प्रदर्शन का नेतृत्व क्षेत्रीय पार्षद सोनिला मिमरोट ने किया। बड़ी संख्या में रहवासी खाली मटके और बाल्टियां लेकर सड़क पर ही धरने पर बैठ गए, जिससे यातायात बाधित हुआ। प्रदर्शनकारियों ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ नारे लगाए।

पार्षद और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इलाके में पिछले कई महीनों से पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन नगर निगम के अधिकारी शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि क्षेत्र के पानी को इंटरकनेक्शन के माध्यम से नेहरू नगर की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। इस बदलाव के कारण विकास नगर और आसपास के इलाकों में पानी का प्रेशर (दबाव) बेहद कम हो गया है। कई घरों में दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे बीमारी का खतरा बढ़ गया है।

अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

सड़क पर उतरे लोगों ने मांग की है कि पानी की आपूर्ति तुरंत सुधारी जाए और इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। काफी देर तक चले इस हंगामे के कारण इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंचे पुलिस और निगम के कनिष्ठ अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा, जिसके बाद रहवासी शांत हुए। हालांकि, रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

जबलपुर के रामसागर तालाब में डूबे दो युवकों में से एक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

जबलपुर(ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के गोसलपुर स्थित रामसागर तालाब में सोमवार शाम नहाने गए दो युवक गहरे पानी में डूब गए। मंगलवार सुबह चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एक युवक का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरे की तलाश अब भी जारी है। यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर गोसलपुर थाना क्षेत्र की है।जानकारी के अनुसार, गोसलपुर की झुग्गी बस्ती में रहने वाले तीन दोस्त इरावत (19), अर्जुन (21) और करण सोमवार शाम तालाब में नहाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान इरावत का पैर अचानक फिसल गया और वह गहरे पानी में समाने लगा। अपने दोस्त को डूबता देख अर्जुन उसे बचाने के लिए पानी में कूदा, लेकिन वह भी खुद को नहीं संभाल सका और दोनों गहरे पानी में डूब गए। किनारे पर मौजूद तीसरे साथी करण ने तुरंत भागकर बस्ती में परिजनों को हादसे की सूचना दी।सोमवार रात को ही पुलिस और गोताखोरों ने तलाश शुरू की थी, लेकिन अंधेरा होने के कारण ऑपरेशन रोकना पड़ा। मंगलवार सुबह दोबारा शुरू हुई खोजबीन में सुबह करीब 10 बजे अर्जुन का शव तालाब के बीच झाड़ियों में फंसा हुआ मिला। इरावत का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है, गोताखोर लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं।

कलयुगी पिता ने पार की दरिंदगी की हदें, तीन साल की बेटी से किया दुष्कर्म; चिल्लाने पर धागे से घोंटा गला

सागर (ए.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले से मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली एक वारदात सामने आई है। यहां बांदरी थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपनी ही तीन साल की मासूम बेटी को हवस का शिकार बनाया। जब मासूम दर्द से चिल्लाई, तो आरोपी ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

रेशमी धागे से घोंटा मासूम का गला

वारदात की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी पिता ने पहले अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। जब बच्ची चीखने-चिल्लाने लगी, तो उसने मासूम के गले में पहने रेशमी धागे से ही उसका गला घोंट दिया।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने किए बाबा महाकाल के दर्शन, भस्म आरती में हुईं शामिल

उज्जैन, (ए.)। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए। उन्होंने बाबा महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद लिया।अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मंगलवार

तड़के करीब तीन बजे महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं और नंदी हाल में बैठकर भक्ति भाव से भस्म आरती में शामिल हुईं। इस दौरान वे मस्तक पर चंदन लगाए पूरी तरह बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक उन्होंने भस्म आरती का दिव्य नजारा देखा। भस्म आरती के बाद तमन्ना ने नंदीजी का पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया।भस्म आरती के बाद तमन्ना ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज भगवान ने मुझे बुलाया था। बाबा महाकाल के बुलावे पर ही भक्त यहां आते हैं। यहां आकर बहुत अच्छा लगा। आज जो आरती देखने को मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। भस्म आरती में शामिल होकर बहुत ऊर्जा मिलती है। सब लोग एक साथ बैठकर जिस तरह आरती देखते हैं, ऐसा दृश्य कहीं और देखने को नहीं मिलता।

देवास जिले की ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी ने पेश की जल संरक्षण की मिसाल

350 कंटूर ट्रेंच से लगभग 13 लाख लीटर वर्षा जल का किया जायेगा संचयन

उज्जैन, (ए.)। देवास जिले में संचालित ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत देवास की ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी ने जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी में जनभागीदारी से पंचायत क्षेत्र की पहाड़ी पर कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य किया गया है। लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्र में किए जा रहे इस कार्य के तहत कुल 350 कंटूर ट्रेंच बनाई गई हैं। इन ट्रेंचों के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 13 लाख लीटर वर्षा जल का संचयन किया जा सकेगा।इसके अलावा ग्राम पंचायत में 03 पेरकोलेशन टैंक, 02 डगवेल, 05 रूफ वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं, 01 बोरिंग रिचार्ज एवं 02 चेक डेम का निर्माण भी किया गया है। इन संरचनाओं से लगभग 07 लाख लीटर जल का अतिरिक्त संचयन होगा। ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत निर्मित की जा रही इन संरचनाओं से वर्षा जल रुकने के साथ ही भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। इससे क्षेत्र के आसपास के कुएं एवं बोरिंग पुनर्जीवित होंगे तथा ग्रामीणों को भविष्य में पेयजल और सिंचाई की समस्या से स्थायी राहत मिलने की संभावना है। ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी की यह पहल जल संरक्षण एवं जनसहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आई है।

व्यापार समाचार

सोने की कीमतों में आई गिरावट, चांदी की चमक बरकरार; जानें क्या हैं नए रेट्स

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों और खरीदारों के बीच हलचल तेज हो गई है। वैश्विक स्तर पर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के चलते कीमती धातुओं के दामों में लगातार उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। इसके साथ ही, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सोना कम खरीदने की अपील का मनोवैज्ञानिक असर भी बाजार की धारणा पर दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता और निवेशकों द्वारा की जा रही प्रॉफिट बुकिंग ने सोने की रफ्तार पर फिलहाल ब्रेक लगा दिया है।

एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में बड़ी टूट

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (स्ष्ट्ङ्क) पर आज सोने की वायदा कीमतों में तगड़ी गिरावट देखी गई। 24 कैरेट गोल्ड का वायदा भाव 580 रुपये यानी 0.38त्न टूटकर 1,51,944 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गया। गौरतलब है कि पिछले कारोबारी सत्र में सोना 1,52,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। हालांकि, फ्यूचर मार्केट में कुछ ट्रेडर्स की ताजा खरीदारी के चलते मांग में मजबूती

भी देखी गई है, लेकिन ऊंचे स्तरों पर बिकवाली के दबाव ने कीमतों को नीचे खींच लिया है।

दिल्ली के सर्राफा बाजार में भी आई नरमी

स्थानीय बाजार की बात करें तो अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी सोने के दाम में सुस्ती रही। 99.9त्न शुद्धता वाले 24 कैरेट गोल्ड का भाव 100 रुपये गिरकर 1,55,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को इसका रेट 1,56,000 रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 99.5त्न शुद्धता वाला सोना भी 100 रुपये सस्ता होकर 1,55,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 0.7त्न की तेजी के साथ 4,721 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा था।

चांदी की कीमतों में लौटी रौनक

सोने के विपरीत चांदी के बाजार में आज हरियाली देखने को मिल रही है। चांदी की चमक बढ़ती जा रही है और इसके दाम में 400 रुपये प्रति किलो से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया है। 3 जुलाई 2026 को एक्सपायर होने वाली चांदी की कीमतों में तेजी का रुख है और यह फिलहाल 2,62,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। बाजार के जानकारों का कहना है कि औद्योगिक मांग में सुधार और ट्रेडर्स की दिलचस्पी के चलते चांदी की कीमतों को सहारा मिल रहा है।

वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत : गोयल

नई दिल्ली, (ए.)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती बनाए रखी है, जिसका श्रेय इसके मजबूत बुनियादी सिद्धांतों और भारत में बढ़ते वैश्विक विश्वास को जाता है।नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल, महंगाई और बदलते व्यापार शुल्कों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मज़बूती दिखा रही है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के तौर पर भारत अपनी गति को मजबूत घरेलू मांग, 11 महीने से ज्यादा के आयात को कवर करने वाले मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़े प्रयासों के जरिए अपने को बनाए हुए है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 43 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.71 के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। इससे पले आज सुबह रुपया 35 पैसे टूटकर 95.63 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव एवं समझौते की उम्मीदें धूमिल होने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.57 पर खुला और फिर टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 95.63 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 35 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 79 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 95.28 पर बंद हुआ था।

इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 98.14 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,456, निफ्टी 436 अंक गिरा

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंक गिरकर 74,559.24 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आ रही तेजी से आई है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी से भी बाजार टूटा है। आज सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरे जबकि केवल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में ही तेजी रही। जानकारों के अनुसार पश्चिम एशिया में संघर्ष के बढ़ने और तेल एवं गैस आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं से बाजार धारणा प्रभावित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को खारिज किये जाने से भी बाजार में अनिश्चितता आई है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला । सुबह के कारोबार में निफ्टी 0.45 फीसदी की गिरावट के साथ 23,716.25 पर पहुंच गया, जबकि सेंसेक्स 0.53 फीसदी टूटकर 75,614.93 के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का एसएसई कम्पोजिट गिरावट में जबकि जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंग बढ़त में रहे। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

केंद्र ने ऑफशोर और डीपवाटर तेल एवं गैस ब्लॉक पर घटाई रॉयल्टी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने डीपवाटर और अल्ट्रा-डीपवाटर ऑफशोर ब्लॉक से कच्चे तेल और केसिंग हेड कंडेनसेट उत्पादन पर रॉयल्टी को कम कर दिया है। यह जानकारी सरकार की ओर से ऑयल एंड गैस क्षेत्र में रॉयल्टी को लेकर जारी किए गए नए नोटिफिकेशन में दी गई। नए संशोधित ढांचे के अंतर्गत, डीपवाटर क्षेत्रों के लिए रॉयल्टी कॉमर्शियल उत्पादन शुरू होने के पहले सात वर्षों के लिए 5 प्रतिशत और आठवें वर्ष से अधिक के लिए 10 प्रतिशत निर्धारित की गई है।अल्ट्रा-डीपवाटर क्षेत्रों से कॉमर्शियल उत्पादन पर पहले सात वर्षों तक कोई रॉयल्टी नहीं ली जाएगी। हालांकि, आठ वर्ष के बाद उत्पादन जारी रखने पर 5 प्रतिशत रॉयल्टी देनी होगी।इसके अलावा, संशोधित रॉयल्टी अनुसूची में विभिन्न व्यवस्थाओं के तहत आवंटित क्षेत्र शामिल हैं, जिनमें राष्ट्रीय तेल कंपनियों को नामांकन-आधारित आवंटन, नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) से पहले आवंटित ब्लॉक और हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी)और डिस्कवर्ड स्मॉल फील्ड (डीएसएफ) नीति के तहत आवंटित क्षेत्र शामिल हैं।स्थलीय और उथले जल क्षेत्रों के लिए, अधिकांश श्रेणियों में रॉयल्टी दर 12.5 प्रतिशत पर बनी हुई है, जबकि कुछ ऑफशोर और अल्ट्रा-डीपवाटर उत्पादन श्रेणियों पर कम रॉयल्टी लागू होगी।सरकार ने संशोधित ढांचे के तहत निर्दिष्ट कुछ श्रेणियों के लिए 7.5 प्रतिशत की रॉयल्टी दर को भी बरकरार रखा है।सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अस्थिरता के कारण दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं दबाव का सामना कर रही हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ 2025-26 में 11 फीसदी बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का मजबूत प्रदर्शन वित्त वर्ष 2025-26 में भी जारी रहा। इस दौरान बैंकों ने परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार के साथ रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है।वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि ये लगातार चौथा वर्ष है जब सरकारी बैंक मुनाफे में रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार, ऋण के स्वस्थ विस्तार और आय में वृद्धि ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सरकारी बैंकों की लाभप्रदता में योगदान दिया।

खुदरा महंगाई दर अप्रैल में बढ़कर 3.48 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली, (ए.)। पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.48 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पहले मार्च में यह 3.40 फीसदी थी। लगातार छठे महीने इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे खुदरा महंगाई अब एक साल के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई है।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक इसकी वजह पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच भोजन और पेय पदार्थ, कपड़े, आवास और उपयोगिताओं की कीमतें बढ़ना है। एनएसओ की तरफ से वर्ष 2024 को आधार मानकर की गई गणना के आधार पर जारी आंकड़ों के मुताबिक खाद्य महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर बढ़कर 4.2 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.87 फीसदी थी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महंगाई की दर क्रमशः 3.74 फीसदी और 3.16 फीसदी दर्ज की गई है। महंगाई दर में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। यह तनाव लंब चला तो महंगाई आगे और बढ़ सकती है।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले महीने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति का अनुमान 4.6 फीसदी रखा था। इसमें पहली तिमाही के लिए चार फीसदी महंगाई का अनुमान जताया गया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात

किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है। ऐसे में, भाषा बोलने- पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। संभवतः यह अवैध भी है। टैक्सी और ऑटो ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा में निपुण होने की शर्त लागू कर महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय एकता की भावना को आघात पहुंचाया है। देश के किसी हिस्से में जाकर रोजी-रोटी कमाने के नागरिकों के मूलभूत संवैधानिक अधिकार के खिलाफ तो यह कदम है ही। इसे भाषा या क्षेत्र के आधार पर नागरिकों के साथ भेदभाव करना भी माना जाएगा। राज्य सरकार के निर्णय के मुताबिक अगले एक मई से ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए यह अनिवार्य हो जाएगा कि वे धारा-प्रवाह मराठी बोलें और मराठी भाषा को पढ़ सकें। जो ड्राइवर इसमें फेल होंगे, उन्हें राज्य में टैक्सी या ऑटो नहीं चलाने दिया जाएगा। आगे से किसी ऐसे व्यक्ति को राज्य में इस काम की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिसमें भाषा संबंधी उपरोक्त क्षमता ना हो। राज्य सरकार के 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और उप-कार्यालय खास सत्यापन अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान देखा जाएगा कि ड्राइवर प्रभावी ढंग से मराठी बोलने, लिखने, और पढ़ने में सक्षम हैं या नहीं। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा है कि जो ड्राइवर वेरिफिकेशन में फेल होंगे, उनके लाइसेंस और परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। मगर, मुद्दा है कि क्या ऐसा करना वैधानिक है? किसी राज्य से लिया गया ड्राइविंग लाइसेंस पूरे भारत में मान्य होता है।ऐसे में, भाषा बोलने- पढ़ने की क्षमता के आधार पर किसी राज्य में उसकी मान्यता खत्म करना विवादास्पद एवं आपत्तिजनक सोच है। अगर ऐसी ही सोच से दूसरे राज्य भी प्रेरित हुए, तो मराठी भाषी सहित तमाम इलाकाई लोगों के लिए अन्य क्षेत्रों में मुश्किल खड़ी हो सकती है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक महाराष्ट्र में 65 से 70 प्रतिशत टैक्सी-ऑटो ड्राइवर अन्य राज्यों के हैं। वे वहां वर्षों से काम कर रहे हैं, तो जाहिर है कि वे आम जन से संवाद करने लायक भाषा जानते- समझते हैं। भाषा जानने और सीखने का संबंध काफी हद तक रोज-रोटी के तकाजों से जुड़ा होता है। देवेंद्र फड़णवीस सरकार इस बुनियादी बात की उपेक्षा कर रही है। अतः उचित होगा कि समाज को तोड़ने वाले इस कदम को वह वापस ले ले।

(विचार-मंथन) प्रधानमंत्री मोदी की चेतावनी से बाजार में हड़कंप

– सनत जैन

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा वैश्विक स्तर पर युद्ध जैसी आशंकाओं ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संभावित आर्थिक संकट, ईंधन की बढ़ती खपत, विदेशी निर्भरता तथा घरेलू संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर व्यक्त चिंताओं के बाद देश के बाजारों में बेचैनी का माहौल दिखाई दे रहा है। शेयर बाजार में लगातार गिरावट, सोने और आभूषण कारोबार में चिंता तथा महंगाई को लेकर आम लोगों की आशंकाएं यह संकेत दे रही हैं कि देश आर्थिक अनिश्चितता के दौर में प्रवेश कर रहा है। भारत लंबे समय से ऊर्जा जरूरतों के लिए आयातित कच्चे तेल पर निर्भर रहा है। यदि पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति गंभीर होती है, तो सबसे पहला प्रभाव तेल और गैस की कीमतों पर पड़ेगा। पहले से ही महंगे पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस से परेशान जनता के सामने महंगाई की नई सुनामी खड़ी हो सकती है। परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न, सब्जियों, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ना लगभग तय माना जाता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सोना नहीं खरीदने, पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, विदेश यात्राओं को रोकने और इसी के साथ ही भोजन में तेल कम से कम उपयोग करने पर जोर दिए जाने को लोग आने वाले कठिन समय की चेतावनी के रूप में देख रहे हैं। दरअसल कोरोना महामारी का अनुभव अभी भी देशवासियों की सामूहिक स्मृति में ताजा है। उस समय लॉकडाउन, बेरोजगारी, पलायन और आर्थिक ठहराव ने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया था। यदि वर्तमान संकट की तुलना उसी दौर से की जाती है, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ती ही बढ़ती है। बाजारों की

घबराहट केवल आर्थिक आंकड़ों का परिणाम नहीं होती, बल्कि मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी उसमें बड़ी भूमिका निभाता है। निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ते ही शेयर बाजार गिरने लगता है और आम जनता खर्च रोककर बचत की ओर बढ़ती है। सोने की खरीद टालने की अपील ने भी बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारत में आभूषण उद्योग करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ा है। यदि उपभोक्ता सोने की खरीद कम करते हैं, तो छोटे ज्वेलर्स, कारीगरों और संबंधित व्यापारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही कारण है कि व्यापारिक संगठनों में चिंता बढ़ी है। हालांकि सरकार का उद्देश्य विदेशी मुद्रा की बचत और अनावश्यक आयात कम करना हो सकता है, लेकिन ऐसे कदमों के सामाजिक और रोजगार संबंधी प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्तमान संकट का एक बड़ा पहलू विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार असंतुलन भी है। भारत का आयात लगातार निर्यात से अधिक रहा है। यदि तेल आयात पर खर्च बढ़ता है और विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। रिजर्व बैंक को रुपये को संभालने के लिए डॉलर बेचने पड़ सकते हैं। प्रवासी भारतीयों से आने वाली विदेशी मुद्रा में कमी और वैश्विक मंदी की आशंका इस संकट को और गंभीर बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह दौर सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। विपक्ष पहले ही बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता जैसे मुद्दों पर सरकार को घेर रहा है। यदि महंगाई लगातार बढ़ती है और जनता की क्रय शक्ति घटती है, तो इसका सीधा असर राजनीतिक माहौल पर पड़ेगा। इतिहास गवाह है कि आर्थिक संकट अक्सर सामाजिक असंतोष को जन्म देता है।

ऐसे समय में केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को ठोस आर्थिक रणनीति, पारदर्शी संवाद और राहत उपायों के साथ आगे आना होगा। विपक्ष को भी राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर रचनात्मक सहयोग की भूमिका निभानी चाहिए। देश आर्थिक चुनौतियों का सामना केवल सामूहिक विश्वास, संतुलित नीतियों और जिम्मेदार नेतृत्व से ही कर सकता है। इस तरह की चेतावनियां जारी कर जनता को डराने के बजाय भरोसा दिलाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

(चिंतन-मनन) श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

भारत की सांस्कृतिक जड़ पर सुनियोजित हमला 1906

बंगाल में कट्टर विचार और हिंसा

अनुराग सिंह देव

यह सिर्फ कोई पिछले 15 वर्षा में ही हो रहा है, ऐसा नहीं है। 1906 में पुराने बंगाल के ढाका में जब मुस्लिम लीग की स्थापना हुई, उस समय से ही या उससे पहले से ही बंगाल में यह उन्मादी विचार सिर उठाने लगा था। कुछ वर्षो में ही बंगाल के इस्लामिक नेताओं ने पृथक मुस्लिम राष्ट्र का प्रस्ताव तैयार करना आरंभ कर दिया और 1940 में प्रस्ताव पारित भी कर दिया। धार्मिक आधार पर सीटों का विभाजन और धार्मिक आरक्षण का क्रियान्वयन और फिर तुर्की के मुस्लिम खलीफा के अधिकारों को पुनर्स्थापित करने खिलाफत आंदोलन के रूप में यह धार्मिक कट्टरता खुल कर सामने आने लगी। इसका कॉंग्रेस ने भी समर्थन किया। यहाँ तक कि एक धार्मिक कट्टर आंदोलन को कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम का खिलाफत आंदोलन बना दिया। कट्टरता इतनी बढ़ी कि 1946 में बँटवारे की मांग को लेकर कोलकाता और नुवाखाली में हिन्दुओं के खिलाफ डायरेक्ट एक्शन डे का आह्वान किया गया, जिसका परिणाम हज़ारों नरसंहार, आगजनी, बलात्कार के रूप में सामने आया। फिर 1947 में पाकिस्तान विभाजन की भयाक्रांत हिंसा में लाखों हिन्दुओं का कत्लेआम सभी को ज्ञात ही है। वर्तमान परिस्थितियों में इस पृष्ठभूमि में बंगाल के इन इस्लामिक कट्टरपंथी नेताओं की देन को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की आजादी के बाद पहले कॉंग्रेस, फिर वामपंथ और अब तृणमूल कांग्रेस; यह सब इनके ही सीधे वैचारिक और राजनैतिक नियंत्रण में रही है। इसलिए आज यदि संदेशखाली, मुस्लिम बहुल क्षेत्र में वर्षों से मंदिरों में ताले, माँ दुर्गा पूजा में विवाद हो रहा है। वसूली, तोला बाजी हो रही हैं तो वहीं इस विचार के जनक सलीमुल्ला खान, जिन्ना, फ़ैज़लूल हक, शोहरावर्दी , अबुल हासिमे, गुलाम सर्वर आज भी बंगाल की राजनैतिक धमनियों में रक्त के साथ सोच के रूप में दौड़ रहे है।

बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ़ लिया

हरदीप सिंह पुरी

हावड़ा कभी एशिया का शेफील्ड कहलाता था। हुगली नदी के किनारे स्थित जूट मिलें इस उपमहाद्वीप के संगठित उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र हुआ करती थीं। कोलकाता भारत की वाणिज्यिक राजधानी हुआ करती थी। बिड़ला एवं टाटा घरानों के साथ-साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के मुख्यालय भी यहीं स्थित थे। बर्नपुर स्थित इस्को की स्थापना 1918 में हुई थी, जबकि दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वितीय पंचवर्षीय योजना का हिस्सा था। वर्ष 1950-51 में, बंगाल ने देश के कुल मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादन में लगभग 27 प्रतिशत हिस्से का योगदान किया था। मैं उस कलकत्ता को जानता था। विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, मेरी शुरुआती नौकरियों में से एक इसी शहर में हिंदुस्तान लीवर में थी। कलकत्ता तब भी एक ऐसी जगह थी, जहां अपने संदूक के साथ आने वाला एक युवक इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता था कि वह उस जगह पर आ गया है जहां से इस देश का वाणिज्य संचालित होता है। बत्तियां जलती रहीं। ट्रामें चलती रहीं। कंपनियों ने भर्तियां जारी रखीं।

जिस चीज को बनाने में एक सदी लगी थी, उसे आर्थिक कुप्रबंधन से कहीं बढ़कर सोची-समझी साजिश के जरिए ध्वस्त कर दिया गया। वाम मोर्चा ने 1977 में सत्ता संभाली। यह मोर्चा चौंतीस वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहा। श्रमिक वर्ग के हितों की नारेबाजी का आड़ में, एक संगठित समानांतर राज्य ने जड़ें जमा लीं। मकान बनाने से लेकर दुकान चलाने, भट्टी स्थापित करने, परिवहन मार्ग को पंजीकृत कराने और पंचायत की बैठक आयोजित करने तक के लिए इजाजत लेनी होती थी। ये इजाजतें एक चंदे की एवज में मिलती थीं। कार्यकर्ता ये चंदा इकट्ठा करते थे। सत्तारूढ़ पार्टी में उसे अपने खाते में जमा करती थी। पूंजीपतियों को राज्य से निकाल बाहर करने वाली ट्रेड यूनियनबाजी इसका प्रत्यक्ष पहलू थी। जबरन वसूली से त्रस्त आम नागरिकों के वहां से निकल जाने की परिघटना तो खैर कैमरों में कैद ही नहीं हुई। वर्ष 2000 के दशक में, जब वाम मोर्चा ने खुद अपना रुख बदलने और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने की कोशिश की, तो विपक्ष में बैठी तृणमूल कांग्रेस ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, यह परियोजना 2008 में गुजरात चली गई। माफिया ने अपना चोला बदल लिया; वह खत्म नहीं हुआ।

वर्ष 2011 में, तृणमूल कांग्रेस 'परिवर्तन' के वादे पर सत्ता में आई। इसके बाद जो कुछ हुआ, वह नए रूप में पुरानी ही व्यवस्था के लौट आने जैसा था। चंदा, अब एवजी-रकम बन गया। कार्यकर्ता सिंडिकेट बन गए। राष्ट्रीय स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग में बंगाल की 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। कभी राष्ट्रीय औसत का 127 प्रतिशत रहने वाली, प्रति व्यक्ति आय लुढ़कर 84 प्रतिशत पर आ गई है। छह हजार से अधिक पंजीकृत कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं। कभी हावड़ा या साल्ट लेक में काम करने वाले बंगाल के बच्चे, अब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में रहते हैं। अपनी नौकरी और अपने पैसों को राज्य से बाहर जाता देखने वाले, मतदाताओं को अपना हिसाब बराबर करना था और उनके हाथ में हिसाब बराबर करने का जरिया एक मतपत्र ही था।

इस बदले के केन्द्र में महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा रिकॉर्ड था, जिसका बचाव आजाद भारत के किसी भी सत्ताधारी को नहीं करना पड़ा। एक महिला मुख्यमंत्री के शासनकाल में राज्य की महिलाओं पर निर्मम अत्याचार हुए और उनकी हत्याएं हुईं। अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या कर दी गई। रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फोड़ की गई। कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर-बितर करने की कोई कोशिश नहीं की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच भरोसेमंद नहीं है। जूनियर डॉक्टरों की 42 दिनों की हड़ताल हुई। इस हड़ताल में कई महिला डॉक्टर शामिल रहीं।जनवरी 2024 में, संदेशखाली की घटना हुई। सुंदरबन के एक द्वीप की महिलाएं तृणमूल के एक जिला परिषद सदस्य के खिलाफ सड़कों पर उतर आईं। तृणमूल का वह नेता पचपन दिनों तक फरार रहा। जबकि, राज्य की पुलिस चुपचाप बैठी रही और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। कभी अपने आंदोलनों के दौरान 'परिवर्तन' की बात करने वाली, एक मुख्यमंत्री ने एक ऐसे शासन का नेतृत्व किया जिसमें उनके राज्य की महिलाओं को उनके ही कार्यकर्ताओं के खिलाफ अदालतों व केन्द्रीय एजेंसियों की शरण लेनी पड़ी और सड़कों पर उतरना पड़ा। यह बेहद निंदनीय है। और घोर अन्यायपूर्ण भी।बंगाल की महिलाओं को जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसकी बराबरी केवल राज्य के युवाओं द्वारा उठाए गए नुकसान से ही की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई पहली छापेमारी की रात सॉल्ट लेक के एक बंद फ्लैट से 21 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। संबंधित संपत्तियों से हुई बरामदगी के बाद कुल राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। माता के स्वास्थ्य में पहले की अपेक्षा सुधार आयेगा और माताजी आज आपसे डिमांड कर सकती हैं। आज फाइनेंस के मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियाँ लेकर आया है। आज आपको शुभ समाचार मिलने के योग नजर आ रहे हैं। आज उचित व्यवस्था हो जाने के बावजूद मन में कुछ परेशानी बनी रहेगी, अपना मनोबल मजबूत रखें। आज आय के साथ-साथ खर्चे भी बढ़ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज बड़ों का सानिध्य मिलेगा और घर में सुख सुविधा संबंधी वस्तुओं की खरीदारी होने की संभावना है। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति से मुलाकात द्वारा कुछ बेहतरीन जानकारियां हासिल होंगी। अगर आपका सरकारी मामला फंसा हुआ है तो उससे संबंधित फैसला आपके पक्ष में होने के योग हैं।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज ऑफिस में आपके परफॉरमेंस की तारीफ होगी। आज बिजनेस के रुके हुए काम पूरे करने में सफलता मिल सकती हैं। कुछ अन्य काम की भी शुरुआत करने की योजना बनाई हाई है तो उस पर भी विचार-विमर्श और अमल करने का उचित समय है।

सिंह राशि- आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। जो लोग स्थान परिवर्तन के लिए इच्छुक हैं, आज उनकी यह इच्छा पूरी होने के योग है। आपकी सकारात्मक सोच से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। पारिवारिक और सामाजिक गतिविधियों में भी आपका योगदान रहेगा।

कन्या राशि-आज आपका दिन बेहतरीन होने वाला है। आज अचानक आय के नए रास्ते मिलेंगे, जिसका लाभ उठाने में आप सफल होंगे। आज रोज से ज्यादा दौड़-भाग रहेगी व किसी रिश्तेदार या दोस्त की मदद से प्रोत्साहन मिलेगा। जिससे आप परिवार की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा लेंगे। फोन या ईमेल के माध्यम से खास सूचना मिल सकती है। संतान की किसी उपलब्धि से मन में प्रसन्नता रहेगी। दांपत्य जीवन में चली आ रही समस्याएं समाप्त होंगी।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में दूरदर्शिता बनाए रखें जल्दबाजी करना उचित नहीं है। यदि लोन लेने की योजना बनाई है तो उससे संबंधित अभी और अधिक जानकारियां लेने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज व्यापार में लाभ के योग हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में आपकी छवि के अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। आपके बिजनेस में उलझने रहेंगी, लेकिन मेहनत से आप इनको सुलझा लेंगे। किसी भी कार्य में स्वयं के निर्णय को ही प्राथमिकता दें, दूसरों की बातों में आकर अपना नुकसान करने की भूल न करें।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। आज आप नया बिजनेस शुरू करने की प्लानिंग करेंगे। आज किसी विशेष क्षेत्र में की गई मेहनत का उचित परिणाम प्राप्त होने के आसार हैं। आज दूसरों से भी अपना काम निकलवाने में सफल रहेंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपकी मेहनत का आपको अच्छा रिजल्ट मिलेगा। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज परिवार में भाई-बहनों से मदद लेनी पड़ सकती हैं। विचार न मिलने की वजह से पड़ोसियों अथवा आसपास के लोगों के साथ सामंजस्य बिठाने में कुछ परेशानी हो सकती है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका मन दान-पुण्य में अधिक लगेगा। आज की दिनचर्या में आप बीते दिनों की तुलना में आप कुछ जादा व्यस्त रहेंगे। लेकिन आपके प्रयासों से व्यवस्था भी सामान्य हो जाएगी। किसी मित्र की मदद द्वारा मुश्किल राह आसान होने से मानसिक संतुष्टि मिलेगी।

मीन राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रहे तनाव से आज राहत आपको मिलेगी। अनुभवी लोगों के सानिध्य से आपको कुछ सकारात्मक अनुभव मिलेंगे। अपने कठिन परिश्रम से आज अपने कार्यक्षेत्र में उद्देश्य को पूर्ण कर लेंगे।

होर्मुज की तपिश में सरकार की छाँव

– डॉ. सुयश नारायण मिश्रा

घर-परिवार हो या कोई देश आकस्मिक आपदा किसी पर भी कभी भी आ सकती है। विगत दिनों में ईरान और अमेरिका के युद्ध के चलते होर्मुज बंद हो गया, जिसके कारण जहाजों की आवाजाही बंद हो गई। युद्ध के शुरूआती दौर में तो यह लगा था कि तेल और गैस की किल्लत से सभी जगह त्राहि-त्राहि मच जायेगी लेकिन भारत में ऐसा नहीं हुआ। सभी घरों में चूल्हे जलते रहे, वाहन चलते रहे, बच्चों की पढाई सुव्यवस्था के साथ चलती रही। यह सब कुछ तभी संभव हो सका क्योंकि हमारा मुखिया, हमारा संरक्षक जिम्मेदार और दूरदर्शी है।

हमारी सरकार ने कुशल नेतृत्व के साथ इस मुसीबत की घड़ी में अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए बढ़ती कीमतों के बोझ को अपने तक ही सीमित रखा, जनता को उस तकलीफ से रूबरू ही नहीं होने दिया। जबकि वास्तविकता तो यह है कि हमारी तेल कंपनियों को प्रतिदिन रू. 1000 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ रहा है, अर्थात थोड़े में कहें तो हमारी सरकार को इस युद्ध के कारण रू. 68,000 करोड़ का भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावा इस युद्ध का बोझ हमारे तेल भंडारों पर भी पड़ रहा है, उनका स्तर निरंतर नीचे गिर रहा है और जिसको बनाये रखने में निवेश की आवश्यकता पड़ रही है। इस सब का असर सरकार के सेंट्रल एक्साइज पर भी पड़ रहा है। यानी तीन अलग-अलग दिशाओं में भारत को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भारी नुकसान के चलते निरंतर गिरती अर्थव्यवस्था को समय रहते सुधारना ही होगा और इसके लिए सरकार के साथ प्रत्येक नागरिक का भी दायित्व है कि वो अपनी भागीदारी समझे। ऐसे कठिन समय में जब आर्थिक मार हर घर, हर व्यक्ति तक पहुँच गई हो, गाड़ियां खड़े होने के कगार पर हों, किसी भी सरकार के लिए बहुत आसान रास्ता था इस आर्थिक बोझ को जनता के ऊपर डालकर अलग हो जाना। लेकिन हमारी संवेदनशील सरकार ने अपनी सूझ बूझ से न केवल जनता को राहत दी बल्कि

अपनी नीतिगत कुशलता से जनता को ऐसा छत्र दिया जिससे जनता का सामान्य जीवन अस्त व्यस्त होने से बच गया।

युद्ध न रुकने से जहाँ वैश्विक ऊर्जा संकट निरंतर बढ़ता ही जा रहा है वहीं होर्मुज का रास्ता साफ होने के भी कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि भविष्य में युद्ध विराम हो भी गया तो स्थिति को संभलने में कम से कम चार महीने लग जाएंगे, जिसके चलते अधिक समय तक तेल और गैस के दाम उच्च स्तर पर बने रह सकते हैं। परन्तु युद्ध के इस ग्यारहवें सप्ताह में सरकार द्वारा अपनाएं वर्तमान मॉडल को यदि और आगे खींचा गया तो इसके प्रतिकूल प्रभाव हमारी अर्थयवस्था पर पडने लगेंगे।

इन परिस्थितियों में हमारे सामने तीन चुनौतियां हैं- पहली चुनौती तेल भंडार से जुड़ी है। भारत का तेल भंडार आज 5.33 मिलियन टन पर है, जो लगभग दो सप्ताह की आवश्यकता पूरी कर सकता है। आईईए मानक नब्बे दिनों का है। चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में 6.5 मिलियन टन का दूसरा चरण निर्माणाधीन है, और इसे त्वरित समय-सीमा पर पूरा करना होगा। साथ ही, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है। इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है।

दूसरी चुनौती रिफाइनिंग और घरेलू उत्पादन की है। हमें अपनी रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाना होगा। इसके लिए पहले ही कदम उठाये जा चुके हैं। नुमालीगढ़, जहाँ रु. 34,000 करोड़ की लागत से 3 से 9 एमएमटीपीए तक का विस्तार हो रहा है, उसे समय से पहले परिचालन में लाना होगा। बाड़मेर का संयंत्र अब परिचालन में है। पश्चिमी तट के एकीकृत संयंत्र विभिन्न चरणों में हैं। साथ ही घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन, जो आज मांग का मात्र 12 प्रतिशत पूरा करता है, उसको बढ़ाना होगा।

तीसरी चुनौती इथनॉल ब्लेंडिंग की है, आज बीस प्रतिशत ब्लेंडिंग करके देश 1.5 लाख करोड़ से अधिक की विदेशी मुद्रा बना पा रहा है। इस कठिन समय में वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एल पीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रतिदिन कम किया जा रहा है। आर्थिक नीतियों के जानकारों का कहना है कि यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायो गैस की वैकल्पिक संरचना संकट आने से पहले ही तैयार कर ली गई थी।

जो विशेषज्ञ इस दिशा में लगातार शोध कार्य कर रहे हैं उनका मानना है कि आज की तुलना में आने वाला समय और भी कठिन होगा, तब हमें इस संकट के समय जो हमने व्यय किया उससे उबरना भी होगा और ऐसी योजनाएं जो भविष्य में हमें मजबूती दे सकें उन योजनाओं में निवेश भी करना होगा।

विश्व के इस संकट के समय में जब लगभग सभी देशों में पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी गयीं, श्रीलंका, पाकिस्तान में चार दिवसीय कार्य सप्ताह कर दिया गया, फिलीपींस में राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल लगा दिया गया, भारत में जनजीवन सामान्य बना रहा। न तो भारत में कोई ईंधन राशनिंग हुई न वर्क फ्राम होम हुआ, न ही स्कूल बंद हुए, न ईंधन संकट हुआ और सबसे महत्वपूर्ण बात पेट्रोल के दाम भी नहीं बढ़े। इसे कर दिखाना इतना आसान तो नहीं था पर हमारे प्रधान मंत्री के कुशल नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने शिव की भाँति युद्ध से उपजे समस्त गरल को स्वयं ही पी लिया।

राष्ट्रीय क्रांति पार्टी (अंबेडकर) ने शिरोमणि अकाली दल को बिना शर्त समर्थन देने का किया ऐलान

चंडीगढ़,(आरएनएस)। राष्ट्रीय क्रांति पार्टी (अंबेडकर) ने आगामी नगर निगम और विधानसभा चुनावों में शिरोमणि अकाली दल को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिंगारा सिंह कल्याण ने सोमवार को अपनी कोर कमेटी सहित शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल से मुलाकात की और उन्हें सहयोग का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल ने अनुसूचित जातियों, विशेषकर वाल्मीकि समाज के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए थे, जिन्हें समाज कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि अकाली दल को समर्थन देकर पार्टी उनकी सेवाओं को राजनीतिक श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है। उन्होंने श्री बादल से मांग की कि भविष्य में अकाली सरकार बनने पर मजहबी सिख समाज के सामाजिक और राजनीतिक उत्थान के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

बादल ने समर्थन का स्वागत करते हुए कहा कि शिरोमणि अकाली दल हमेशा सभी धर्मों और वर्गों का सम्मान करता आया है। उन्होंने कहा कि अमृतसर स्थित भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मिला यह समर्थन समाज सेवा के लिए पार्टी को और मजबूती देगा।

इस अवसर पर पूर्व विधायक एन के शर्मा , राजिंदर अटवाल, दीपक घई, विकास हंस समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और दोआबा, माझा व मालवा क्षेत्रों के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरियाणा के शहरों में गंदगी से बीमारियों का खतरा सरकार तुरंत निकाले समाधान : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ ,(आरएनएस)। हरियाणा में सिरसा सीट से सांसद कुमारी सैलजा ने गुरुग्राम सहित हरियाणा के विभिन्न शहरों में फैली गंदगी और चरमराई सफाई व्यवस्था पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर सरकार गंभीर नजर नहीं आ रही, जिसके चलते शहरों की सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों में कचरे के ढेर लगे हुए हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि पिछले करीब 11 दिनों से सफाई कार्य प्रभावित होने के कारण आमजन का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शहरों में फैली गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जैसे अंतरराष्ट्रीय पहचान वाले शहर में हजारों टन कचरा सड़कों पर पड़ा होना सरकार और प्रशासन की विफलता को दर्शाता है। भारी टैक्स देने वाले नागरिकों को यदि साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधा भी न मिले तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी शहरों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनकी जायज मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। ठेका प्रथा, नियमितीकरण, बकाया वेतन और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से बातचीत करनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद ही समाधान का रास्ता होता है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार से मांग की कि वह तुरंत सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर समाधान निकाले, ताकि जनता को राहत मिल सके और शहरों में सफाई व्यवस्था सामान्य हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों के अधिकारों और जनता के स्वास्थ्य दोनों के प्रति समान संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

पीएम मोदी की अपील पर शरद पवार ने सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कटौती वाली अपील पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं के देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मध्य पूर्व में अस्थिर और युद्धग्रस्त हालात को देखते हुए, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिन पहले कुछ घोषणाएं कीं। इन घोषणाओं के देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। चूंकि ये घोषणाएं अचानक की गईं, इसलिए आम जनता-व्यापार और औद्योगिक क्षेत्रों के साथ-साथ निवेशकों के बीच भी बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया है। यह निस्संदेह रूप से चिंता का विषय है। उन्होंने पीएम मोदी से अपील करते हुए कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री को अपनी अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी दलों के नेताओं को विश्वास में लेकर निर्णय लेने की प्रक्रिया को लागू करना देश के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति को देखते हुए, केंद्र सरकार को अधिक संवेदनशीलता और व्यापक परामर्श को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। शरद पवार ने आगे लिखा, इसके साथ ही, प्रधानमंत्री को देश के प्रख्यात अर्थशास्त्रियों, उद्योग प्रतिनिधियों और संबंधित विशेषज्ञों की तत्काल बैठक बुलाकर स्थिति की गहन समीक्षा करनी चाहिए।

जमानत मामलों को हर हफ्ते या कम से कम दो हफ्ते में एक बार जरूर लिस्ट करें

-सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट में लंबित जमानत मामलों को लेकर दिए निर्देश

नई दिल्ली,(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट में लंबित जमानत मामलों को लेकर निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि हाईकोर्ट में सालों से लंबित हजारों जमानत याचिकाएं स्वतंत्रता के अमूल्य अधिकार का उल्लंघन करती हैं। जमानत से जुड़े मामलों की सुनवाई में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और इसके लिए तय सिस्टम बनाना जरूरी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट को जमानत याचिकाओं पर सबसे कम समय में फैसले लेने के लिए सराहना की। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी जमानत याचिकाओं की भारी संख्या लंबित है, पीठ ने इस तथ्य की सराहना की कि वहां लंबित मामलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि न्यायाधीशों को प्रतिदिन करीब 200 जमानत याचिकाओं की सुनवाई करनी पड़ती है।

सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने सोमवार को सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिए हैं कि जमानत याचिकाओं की सुनवाई तेजी से और नियमित तरीके से हो। जमानत के मामलों को हर हफ्ते या कम से कम दो हफ्ते में एक बार जरूर लिस्ट किया जाए। इसके लिए ऑटोमेटिक लिस्टिंग सिस्टम तैयार करने को कहा ताकि किसी मामले की सुनवाई सिर्फ तारीख पर तारीख तक सीमित न रहे। वर्तमान में अदालतों की सामान्य प्रक्रिया यह है कि वे आरोपी की जमानत याचिका पर नोटिस जारी करते हैं और संबंधित राज्य सरकार, जांच एजेंसी या अभियोजन पक्ष से जवाब मांगते हैं। जवाब कई हफ्तों बाद दाखिल होता है, जिससे आपराधिक मामलों में न्यायिक या पुलिस हिरासत से रिहाई की याचिकाओं के निपटारे में देरी होती

है। कोर्ट ने कहा कि जमानत याचिका की पहली सुनवाई से पहले ही राज्य सरकार या जांच एजेंसी को अपनी स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। इससे कोर्ट को मामले की स्थिति समझने में आसानी होगी और सुनवाई जल्द आगे बढ़ेगी। साथ ही जमानत याचिका दाखिल करने वाले वकील को उसकी कॉपी एडवोकेट जनरल या संबंधित एजेंसी को पहले से देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट से कहा कि नई जमानत याचिकाओं को हर दूसरे दिन या ज्यादा से ज्यादा एक हफ्ते के भीतर सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाए। इसके अलावा एडमिशन स्टेज पर नोटिस जारी करने की पुरानी प्रक्रिया खत्म करने की बात भी कही गई है क्योंकि इससे मामलों में देरी होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीड़ितों से जुड़े मामलों में जांच अधिकारियों को ज्यादा जिम्मेदारी से काम करना होगा। अगर जांच में ढिलाई बरती गई तो इसका फायदा आरोपी को जमानत मिलने के रूप में मिल सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट जांच एजेंसियां और सरकारें मिलकर ऐसा सिस्टम बनाएं जिससे पीड़ितों के अधिकार भी सुरक्षित रहें और जमानत मामलों का समय पर निपटारा भी हो सके।

ईडी की हिरासत में मंत्री संजीव अरोड़ा को बड़ी राहत; पसंद का वकील चुनेंगे, रिमांड में रोज 1 घंटा मुलाकात की छूट

गुरुग्राम, (आरएनएस)। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने ईडी रिमांड पर भेजे जाने के बाद गुरुग्राम की विशेष अदालत में एक अर्जी दाखिल की है। इसमें अदालत से अनुमति मांगी गई कि ईडी अधिकारी उन्हें अपनी पसंद का वकील चुनने दें, जिसके लिए वकालतनामा पर हस्ताक्षर करने दें, ताकि वह आधिकारिक तौर पर उनका केस लड़ सकें।

मामले की सुनवाई पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश एवं जिला जज नरेंद्र सूरा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से मौजूद विशेष लोक अभियोजक साइमन बेंजामिन ने इस मांग पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

उन्होंने अदालत को बताया कि विभाग को इस बात से कोई एतराज नहीं है कि संजीव अरोड़ा अपनी पसंद के वकील को नियुक्त करें। इसके बाद अदालत ने अर्जी स्वीकार करते हुए जांच अधिकारी को तुरंत आदेश का पालन करने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ ज़िले में स्थित बीजेपी कार्यालय में आयोजित एक पार्टी बैठक के दौरान, एक पार्टी कार्यकर्ता द्वारा उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी को सम्मानित किया गया।

पिता की हत्या का बदला लेने के लिए बरसाए 20 तीर, 30 साल पुरानी रंजिश में ऐसे बना धनुर्धर; चाईबासा पुलिस ने दबोचा

चाईबासा, (आरएनएस)। झींकपानी थाना क्षेत्र में तीर से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित भगवान बिरुली उर्फ दोपे को गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपित को सोमवार देर शाम गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तीर-धनुष भी बरामद कर लिया गया है।

एसडीपीओ बहामन टूटी ने बताया कि 9 मई को झींकपानी थाना क्षेत्र के टंकी बांदा के पास बेतिया गांव निवासी चुइया बिरुली पर तीरों से जानलेवा हमला किया गया था। हमले में तीन तीर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसके शरीर से दो तीर निकाले। एक तीर घायल ने स्वयं निकाल लिया था। फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

उन्होंने बताया कि घायल के फर्दबयान के आधार पर झींकपानी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रशिक्षु आईपीएस सह थाना प्रभारी झींकपानी राजकुमार जेयराजू एवं एसडीपीओ सदर बहामन टूटी के संयुक्त नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

सीएम का बड़ा फैसला, धार्मिक स्थलों, स्कूलों और बस स्टैंडों के पास शराब की दुकानें होंगी बंद

चेन्नई, ,(आरएनएस)। तमिलनाडु में जनहित को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार ने अगले दो हफ्तों के भीतर 717 तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग

कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) शराब दुकानों को बंद करने का आदेश जारी किया है। ये सभी दुकानें धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में संचालित हो रही थीं।तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन (टीएएसएमएसी) के तहत फिलहाल राज्य में कुल 4,765 शराब की खुदरा दुकानें संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे ऐसे शराब दुकानों की पहचान करें, जो मंदिर, मस्जिद, चर्च, स्कूल, कॉलेज और बस स्टैंड्स के बेहद करीब स्थित हैं।

सरकार द्वारा कराए गए सर्वे में सामने आया कि कुल 717 टीएएसएमएसी दुकानें निर्धारित 500 मीटर की सीमा के भीतर चल रही हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जनहित और सामाजिक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इन दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बंद होने वाली दुकानों में 276 शराब दुकानें धार्मिक स्थलों के पास स्थित हैं। वहीं 186 दुकानें शैक्षणिक संस्थानों के करीब और 255 दुकानें बस स्टैंड्स के आसपास संचालित हो रही थीं।

26 घंटे और तीन कत्ल, एनकाउंटर में ढेर हुआ अमृतसर का रहने वाला साइको सीरियल किलर; फौज से हुआ था रिटायर

अमृतसर/लखनऊ ,,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में 26 घंटे तक दहशत बने साइको किलर और रिटायर्ड फौजी गुरप्रीत सिंह को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। आरोपी ने 24 से 26 घंटे के भीतर तीन सनसनीखेज हत्याओं को अंजाम देकर इलाके में भय का माहौल पैदा कर दिया था।

पुलिस के अनुसार, गुरप्रीत सिंह पंजाब के अमृतसर का रहने वाला था और उसने वर्ष 2021 में सेना की नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद उसने सामान्य जीवन जीने की कोशिश की, लेकिन शराब की लत और मानसिक अस्थिरता के कारण वह अपराध की ओर बढ़ता चला गया। कुछ समय तक उसने बिहार के आरा में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी की, लेकिन नौकरी छूटने के बाद उसकी मानसिक स्थिति और बिगड़ गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने किसी निजी दुश्मनी के बजाय लोगों को रैंडम तरीके से निशाना बनाया। पहली वारदात उसने 10 मई को अलीनगर थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव के पास ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में की, जहां जमानिया निवासी मंगरू की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इसके बाद 11 मई की रात कोलकाता से जम्मूतवी जा रही एक्सप्रेस ट्रेन में उसने एक अन्य यात्री को गोली मार दी। तीसरी और सबसे सनसनीखेज घटना सोमवार सुबह हुई, जब आरोपी ने अलीनगर स्थित जीवक अस्पताल में भर्ती एक महिला

के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी।अस्पताल में हुई वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन हिस्ट्री के आधार पर पुलिस ने तीनों हत्याओं में उसकी संलिप्तता की पुष्टि की।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसओजी, जीआरपी, अलीनगर पुलिस और सकलडीहा पुलिस की संयुक्त टीम आरोपी को घटनास्थलों पर ले जाकर सीन रीक्रिएशन कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की पिस्टल छीन ली और भागने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, उसने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसके सीने में गोली लगी।गंभीर रूप से घायल गुरप्रीत सिंह को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मुठभेड़ में जीआरपी के एक हेड कांस्टेबल समेत दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

पीएम मोदी पर सपा सांसद की टिप्पणी पर भड़के सीएम योगी, बोले-ये न केवल अशोभनीय, बल्कि वैचारिक दिवालियापन भी

लखनऊ ,,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा पीएम मोदी पर की गई अमर्यादित टिप्पणी पर सीएम योगी आदित्यनाथ भड़क गए। उन्होंने इसे न सिर्फ राजनीतिक कुसंस्कार बताया। बल्कि, वैचारिक दिवालियापन भी करार दिया। सीएम सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम ने लिखा कि एक सांसद द्वारा की गई टिप्पणी न केवल अशोभनीय और अक्षम्य है। बल्कि, भारतीय लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर भी गंभीर आघात है।बताते चलें कि महोबा जिले में समाजवादी पार्टी के प्रदर्शन के दौरान हमीरपुर-महोबा संसदीय क्षेत्र के सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी की थी। इसी को लेकर सत्ता पक्ष अब विपक्ष को घेर रहा है।

अमृतसर में 'भिखारी मुक्त अमृतसर, सम्मानजनक समाज' अभियान शुरू

अमृतसर,(आरएनएस)। पंजाब के अमृतसर में जिला प्रशासन और सामाजिक संस्था उम्मीद के सहयोग से सोमवार को केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की स्माइल परियोजना के तहत 'भीख से शिक्षा की ओर' नामक विशेष पुनर्वास एवं जागरूकता अभियान शुरू किया गया।

अभियान के तहत भीख मांगने में संलिप्त व्यक्तियों का सर्वेक्षण किया गया और उनके पुनर्वास एवं कल्याण को ध्यान में रखते हुए गोल बाग में एक शेल्टर होम शुरू किया गया। इस केंद्र में जरूरतमंदों को आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवायें, परामर्श और पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शेल्टर होम में लाभार्थियों को समाज से सम्मानपूर्वक जोड़ने के लिए प्रतिदिन प्रार्थना सत्र, योग, मनोरंजक गतिविधियां और कौशल विकास प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाएगा।प्रशासन और

संबंधित एजेंसियां पुनर्वासित व्यक्तियों को अमृतसर में चल रहे विभिन्न कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से रोजगार के अवसरों से जोड़ने का भी प्रयास करेंगी। इसके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से पैरा-लीगल वालंटियरों द्वारा कानूनी जागरूकता एवं परामर्श शिविर लगाये जाएंगे, जिनमें लोगों को उनके अधिकारों, पुनर्वास योजनाओं और कल्याणकारी सेवाओं की जानकारी दी जाएगी।अतिरिक्त उपायुक्त रूपिंदरपाल सिंह ने बताया कि पंजाब भिक्षावृत्ति निवारण अधिनियम, 1971 के तहत पहली बार भीख मांगते पाये जाने वाले व्यक्तियों को पहले समझाया जाएगा, परामर्श दिया जाएगा और पुनर्वास की ओर प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि जागरूकता और पुनर्वास प्रयासों के बावजूद कोई व्यक्ति भीख मांगने की गतिविधियों में शामिल रहता है, तो कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सामाजिक संस्था उम्मीद, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और अन्य संबंधित विभागों के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सभी मिलकर अमृतसर को भिखारी मुक्त शहर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। यह अभियान समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को सम्मान, आत्मनिर्भरता और नयी दिशा देने की संवेदनशील पहल माना जा रहा है।

स्कूल गेट में घुसा तेज रफ्तार ट्राला, बड़ा हादसा टला

फतेहाबाद ,(आरएनएस)। हरियाणा में फतेहाबाद-रतिया रोड स्थित गांव अयाल्की में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया, जब तेज रफ्तार ट्राला गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मुख्य गेट में जा घुसा। गनीमत रही कि हादसे के समय गेट के पास कोई छात्र या स्कूल स्टाफ मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। स्कूल का मुख्य गेट इस हादसे में हालांकि पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बिजली की तारें भी लटक गईं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्राला रतिया की ओर से फतेहाबाद आ रहा था। स्कूल के पास बने स्पीड ब्रेकर पर पहुंचते ही चालक को नींद की झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गया और सीधे स्कूल के गेट से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सीमेंट का गेट टूटकर बिखर गया। बताया जा रहा है कि ट्राला बाद में गेट के पास खड़े पेड़ से टकराकर रुका। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने बताया कि इसी गेट से मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल और गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल के बच्चे आते-जाते हैं। हादसा स्कूल की छुट्टी से कुछ समय पहले हुआ। लोगों का कहना है कि यदि उस समय बच्चे गेट के पास होते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

इम्तियाज अली के निर्देशन में निखरीं शरवरी वाघ, मस्कारा को लेकर साझा किए बीटीएस पल

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म क्या कमाल है को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री जिया नाम का एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना मस्कारा रिलीज हुआ है, जिसमें शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड हीरोइनों के रोमांस की याद दिला रहा है। शरवरी ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के बीटीएस पल शेयर किए। इस पोस्ट में शरवरी ने इम्तियाज अली के साथ अपने काम करने के अनुभव को बयां करते हुए लिखा, इम्तियाज अली सर और मैं इस एहसास को किस-मिस यारा कहते थे। यह एक मजेदार बनाया गया शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने वाली उस मीठी और हल्की सी गुदगुदाहट को महसूस कराता है।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, मेरा किरदार जिया अपनी जिंदगी में कई बार इसी किस-मिस वाले एहसास से गुजरती है। गाने में मेरा नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है।शरवरी ने अपनी पोस्ट में इम्तियाज अली की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि किस तरह निर्देशक ने उन्हें अपनी परफॉर्मेंस की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनसे वह खुद भी अनजान थीं। उन्होंने लिखा, मैंने सिर्फ आपको देखकर ही भावनाओं और कहानी कहने के तरीके के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मुझ पर भरोसा करने और हर पल मेरा मार्गदर्शन करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी रहूंगी।

मस्कारा गाने में शरवरी का लुक काफी क्लासी रखा गया है। गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज भी देखने को मिलता है। मस्कारा गाना अपनी रोमांटिक धुन और शानदार केमिस्ट्री के लिए सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने दिया है, जबकि बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।गाने के वीडियो में वेदांग रैना और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आ रही है, जिनकी मासूम प्रेम कहानी और केमिस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है। मस्कारा एक सॉफ्ट रोमांटिक गाना है, जो जवानी के दिनों के प्यार, मासूम शरारत और जज्बातों को खूबसूरती से दिखाता है।फिल्म में शरवरी का किरदार जिया और वेदांग रैना का किरदार कीनू समय और दूरी से आकार लिए हुए प्यार को दर्शाते हैं।

थलपति विजय की जन नायकन पर प्रोड्यूसर का बड़ा अपडेट, बताया कब रिलीज होगी फिल्म

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय को लंबे समय से एक मास हीरो और जनता के नेता के रूप में देखा जाता रहा है. अब उन्होंने राजनीति में भी एंट्री कर ली है, जिससे उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ गई है. विजय ने अपने फिल्मी करियर में हमेशा ऐसे विषयों को चुना, जो सीधे तौर पर आम लोगों से जुड़े रहे हैं. उनकी फिल्मों में सामाजिक न्याय, महिलाओं के अधिकार, युवाओं की समस्याएं और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से दिखाया गया है. यही वजह है कि उनकी फिल्मों को सिर्फ मनोरंजन के तौर पर नहीं, बल्कि समाज से जुड़ी कहानियों के रूप में भी देखा जाता है.

हाल ही में उनकी अपकमिंग और चर्चित फिल्म जन नायकन को लेकर जबरदस्त चर्चा बनी हुई है. माना जा रहा है कि यह विजय के करियर की आखिरी फिल्म हो सकती है, इसलिए फैंस के बीच इसे लेकर अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है. फिल्म से जुड़ी हर अपडेट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और दर्शकों में फिल्म को लेकर भारी क्रेज बना हुआ है.

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर थलपति विजय ने शपथ ग्रहण कर लिया है. शपथ ग्रहण समारोह के कुछ ही समय बाद, उनकी आने वाली फिल्म जन नायकन के बारे में एक बड़ा अपडेट सामने आया है. यह जानकारी किसी और ने नहीं, बल्कि फिल्म के प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण ने दी है.

चेन्नई में मीडिया से बातचीत के दौरान प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण ने जन नायकन की रिलीज के बारे में अपडेट दी है. प्रोड्यूसर से सवाल किया गया कि फिल्म कब रिलीज होगी, क्या फिल्म पर सेंसर बोर्ड के विवाद के अलावा कोई राजनीतिक दबाव भी था?

इस पर नारायण ने कहा, हमें उम्मीद है कि फिल्म जल्द रिलीज होगी. हम बस देश के कानून का पालन करना है. अगर फिल्म को सिनेमाघरों तक पहुंचना है तो उसे सेंसर सर्टिफिकेशन से गुजरना पड़ेगा.

प्रोड्यूसर का कहना है कि विजय की पॉपुलैरिटी किसी एक फिल्म की वजह से नहीं, बल्कि सालों से लोगों के दिलों से जुड़े रहने के कारण है. उन्होंने कहा कि विजय की हर फिल्म ने उन्हें

जनता के और करीब पहुंचाया है. यही कारण है कि जन नायकन को लेकर लोगों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है.

फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं. मलेशिया में आयोजित इस कार्यक्रम में रिकॉर्ड तोड़ संख्या में फैंस पहुंचे. आयोजकों के मुताबिक, यह कार्यक्रम देश के सबसे बड़े ऑडियो लॉन्च इवेंट्स में से एक बन गया और इसने नेशनल रिकॉर्ड भी कायम किया. कार्यक्रम में विजय की एक झलक पाने के लिए हजारों फैंस मौजूद रहे. फैंस का जोश और उत्साह देखने लायक था.

हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि जन नायकन कोई राजनीतिक फिल्म नहीं है. उनके मुताबिक यह एक पूरी तरह कमर्शियल एंटरटेनर है, जिसमें एक्शन, इमोशन, ड्रामा और मनोरंजन के सभी जरूरी तत्व मौजूद हैं. उन्होंने कहा कि यह विजय की उन फिल्मों की तरह ही है, जिन्हें दर्शकों ने पहले खूब पसंद किया और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता दिलाई.

नारायण का मानना है कि विजय की खासियत यही रही है कि उन्होंने हर वर्ग के दर्शकों को अपनी फिल्मों से जोड़े रखा. उनकी फिल्मों में मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी देखने को मिलता है. यही कारण है कि वह सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़े हुए स्टार बन चुके हैं.

भूत बंगला ने दुनियाभर में 250 करोड़ का आंकड़ा किया पार, एयरलिफ्ट को पछाड़ बनी अक्षय कुमार की आठवीं सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्म

निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अक्षय कुमार का नया कोलैबोरेशन बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है. भूत बंगला ने सिनेमाघरों में अपने चौथे वीकेंड के दौरान भी अपनी रफ्तार बनाए रखी. इस फैंटेसी हॉरर-कॉमेडी फिल्म ने अपने चौथे वीकेंड के बाद दुनिया भर में 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है.भूत बंगला अक्षय कुमार की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई है, जो लंबे समय से अपनी पुरानी लय पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे. हाल ही में, इस फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और अब आने वाले दिनों में बॉलीवुड की कोई बड़ी फिल्म रिलीज न होने के चलते, इसका लक्ष्य 275 करोड़ तक पहुंच गया है.मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर एलान किया कि भूत बंगला ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. मेकर्स के मुताबिक, फिल्म दुनियाभर में 253.04 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, जिसमें से इसने भारत में 202.94 करोड़ रुपये और ओवरसीज पर 50.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है.253.04 करोड़ रुपये के साथ, भूत बंगला अभी अक्षय कुमार की दुनिया भर में आठवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है. आईएमबीडी ने एयरलिफ्ट को पछाड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है.

टॉक्सिक रिश्तों का महिमामंडन नहीं, बल्कि उनका दर्द दिखाएगी अगली स्टोरीः अविका गौर

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म अगली स्टोरी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि टॉक्सिक और जुनून के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं।

अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। अगली स्टोरी दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।

रिया जिया प्रोडक्शंस के बैनर तले सीएच सुभाषिनी और कोंडा लक्ष्मण द्वारा निर्मित अगली स्टोरी एक गहरी प्रेम कहानी है, जिसका लेखन और निर्देशन प्रणव स्वरूप ने किया है। इस फिल्म में रवि तेजा महादास्यम, शिवाजी राजा, और प्रज्ञा नयन जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे।

अगली स्टोरी 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रोजाना रात को सिल्क के तकिए पर सोएं, आपको मिल सकते हैं ये 5 फायदे

अच्छी नींद पाने के लिए सिर्फ गद्दे ही नहीं, बल्कि तकिया भी जरूरी होता है। अगर आप भी आरामदायक नींद और स्वस्थ बाल चाहते हैं तो सिल्क के कपड़े से बने तकिए पर सोएं। सिल्क का तकिया न केवल आरामदायक होता है, बल्कि यह त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। आइए आज हम आपको सिल्क के तकिए पर सोने से मिलने वाले फायदे बताते हैं, जिससे आपको इसके महत्व का अंदाजा लग सकता है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

सिल्क के तकिए पर सोना आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। सिल्क एक ऐसा कपड़ा है, जो त्वचा को आरामदायक महसूस कराता है और रगड़कर होने वाले नुकसान से बचाता है। इसके अलावा सिल्क के तकिए पर सोने से चेहरे की नमी बनी रहती है, जिससे त्वचा सूखती नहीं है। अगर आप रातभर ठंडी हवा में सोती हैं तो सिल्क के तकिए पर सोना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

बालों का झड़ना होता है कम

रातभर सिल्क के तकिए पर सोने से बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और बाल झड़ने की समस्या कम होती है। सिल्क की चिकनी सतह बालों को उलझने से रोकती है, जिससे वे टूटते नहीं हैं। इसके अलावा सिल्क के तकिए पर सोने से बालों की नमी भी बनी रहती है, जिससे वे स्वस्थ और चमकदार दिखते हैं। अगर आप रोजाना सिल्क के तकिए पर सोती हैं तो आपके बालों की खूबसूरती बनी रहती है।

एलर्जी से कर सकता है बचाव

कुछ लोगों को सूती या ऊनी तकिए से एलर्जी हो सकती है, जिससे उनकी नींद खराब होती रहती है। सिल्क के तकिए पर सोना एलर्जी से बचाव करने में मदद करता है, क्योंकि यह ऐसे तत्वों से मुक्त होता है, जो एलर्जी उत्पन्न कर सकते हैं। इसके अलावा सिल्क की सूक्ष्म संरचना धूल कणों और कीटाणुओं को भी रोकती है, जिससे आप स्वस्थ और आरामदायक नींद ले सकते हैं। इस तरह सिल्क के तकिए पर सोना आपके लिए सुरक्षित है।

महसूस होता है आराम

सिल्क के तकिए पर सोना न केवल आरामदायक महसूस होता है, बल्कि यह तापमान को भी नियंत्रित करता है। गर्मियों में यह ठंडक देता है और सर्दियों में गर्माहट प्रदान करता है। इसके अलावा सिल्क की मुलायम सतह पर सोना एक सुखद अनुभव देता है। इस तरह सिल्क के तकिए पर सोने से आपको न केवल आराम मिलता है, बल्कि आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह एक आदर्श विकल्प है।

लंबे समय तक रहता है टिकाऊ

सिल्क के तकिए लंबे समय तक टिकाऊ रहते हैं, इसलिए इन्हें बार-बार बदलने की जरूरत नहीं पड़ती। सही देखभाल करने पर ये कई वर्षों तक उपयोग किए जा सकते हैं। इस प्रकार सिल्क के तकिए पर सोना आपकी नींद को बेहतर बनाने, त्वचा-बालों की देखभाल करने और एलर्जी से बचाव करने में मदद करता है। अगली बार जब भी आप अपना तकिया चुनें तो सिल्क का तकिया जरूर आजमाकर देखें।

रातभर तेल लगाए रखना या नहाने से पहले बालों में तेल लगाना ? जानिए सही तरीका

बालों की देखभाल के लिए तेल का उपयोग एक पुरानी परंपरा है, लेकिन इसके सही समय को लेकर कई धारणाएं हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रातभर बालों पर तेल लगाना चाहिए, जबकि कुछ लोग नहाने से पहले ही तेल लगाने के पक्ष में हैं। इस लेख में हम इस बात का पता लगाएंगे कि रातभर बालों पर तेल लगाना सही है या नहाने से पहले। साथ ही जानेंगे कि इन दोनों तरीकों के क्या फायदे और नुकसान हैं।

रातभर तेल लगाना

रातभर बालों पर तेल लगाने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे बालों को गहराई से पोषण मिलता है। जब आप रात को सोते हैं तो आपकी सिर की त्वचा का तापमान थोड़ा बढ़ जाता है, जिससे तेल बेहतर तरीके से सोख लिया जाता है। इसके अलावा रातभर तेल लगाने से बालों की नमी बनी रहती है और वे टूटने से बचते हैं। इस तरीके से बालों को मजबूती और चमक भी मिलती है।

नहाने से पहले तेल लगाना

नहाने से पहले तेल लगाने का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि गर्म पानी के प्रभाव से बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। जब आप नहाने से पहले बालों पर तेल लगाते हैं तो यह एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है और बालों को टूटने और झड़ने से बचाता है। इसके अलावा यह बालों को नमी प्रदान करता है और उन्हें मजबूत बनाता है। इससे बालों की चमक भी बढ़ती है।

दोनों तरीकों के फायदे और नुकसान

दोनों तरीकों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। रातभर तेल लगाने से बालों को गहराई से पोषण मिलता है, लेकिन यह कुछ लोगों को असुविधाजनक लग सकता है। वहीं, नहाने से पहले तेल लगाने से बालों को गर्म पानी के प्रभाव से बचाया जा सकता है, लेकिन यह तरीका उतना प्रभावी नहीं हो सकता। इसलिए, यह जरूरी है कि आप अपने बालों की जरूरतों को समझें और उसी अनुसार सही तरीका चुनें।

सही तरीका चुनने के टिप्स

सही तरीका चुनना पूरी तरह से आपकी व्यक्तिगत पसंद और बालों की जरूरतों पर निर्भर करता है। अगर आपके बाल सूखे और कमजोर हैं तो रातभर तेल लगाना बेहतर हो सकता है, क्योंकि इससे उन्हें गहराई से पोषण मिलता है। वहीं, अगर आप गर्म पानी से होने वाले नुकसान से बचना चाहते हैं तो नहाने से पहले तेल लगाना अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां पर ध्यान रखने वाली बात यह है कि तेल को सही मात्रा में लगाना चाहिए।

निष्कर्ष

आखिरकार यह कहना गलत होगा कि इनमें से कोई एक तरीका सबसे अच्छा है। दोनों ही तरीकों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, इसलिए आपको अपने बालों की स्थिति और जरूरतों के अनुसार सही विकल्प चुनना चाहिए। अगर आपके बाल सूखे और कमजोर हैं तो रातभर तेल लगाना बेहतर हो सकता है। वहीं, नहाने से पहले तेल लगाने से बालों को गर्म पानी के प्रभाव से बचाया जा सकता है।

अमेरिकी हमलों से ईरान को बचाता रहा पाकिस्तान, विमानों को अपने सैन्य अड्डों पर छिपाया

इस्लामाबाद, (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े युद्ध में पाकिस्तान दोहरी भूमिका निभा रहा था। वह एक तरफ मध्यस्थता करा रहा था और दूसरी तरफ ईरान के विमानों को हमलों से बचा रहा था।

यह खुलासा सूत्रों ने किया है, जिसने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान ने युद्ध के बीच, चुपचाप ईरानी सैन्य विमानों को अपने हवाई अड्डों पर खड़े होने की अनुमति दी थी ताकि उन्हें अमेरिकी हवाई हमलों से बचाया जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पाकिस्तान के अलावा उसके पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी विमान खड़े किए थे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं कि वे सैन्य विमान थे। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब अप्रैल की शुरुआत में ईरान के साथ युद्धविराम की घोषणा की थी, उसके कुछ दिन बाद तेहरान ने कई विमान पाकिस्तानी वायुसेना के नूर खान सैन्य अड्डे पर भेजे थे। यह रावलपिंडी में छावनी शहर के बाहर स्थित है।

ईरान ने वायुसेना का आरसी -130 टोही विमान भी पाकिस्तान में छिपाया था, जो लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस सामरिक परिवहन विमान का खुफिया निगरानी संस्करण है। एक अफगानी उड्डयन अधिकारी ने

बताया कि युद्ध शुरू होने से कुछ समय पहले महान एयर का नागरिक विमान काबुल में उतरा था और काफी समय तक हवाई अड्डे पर ही खड़ा था। पाकिस्तान का यह प्रयास बताता है कि उसका उद्देश्य अमेरिकी हमलों से ईरान की शेष विमानन और सैन्य संपत्तियों की रक्षा करना था।पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावों को खारिज करते हुए कहा कि नूर खान बेस शहर के ठीक बीच में स्थित है, वहां खड़े विमानों के विशाल बेड़े को जनता की नजरों से छिपाया नहीं जा सकता। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता ज़बिहुल्लाह मुजाहिद ने भी अफगानिस्तान में किसी भी ईरानी विमान की मौजूदगी से इनकार करते हुए कहा कि यह सच नहीं है और ईरान को ऐसा करने की जरूरत नहीं है।रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक्स पर पाकिस्तान की भूमिका पर चिंता जताई है। उन्होंने लिखा, अगर यह रिपोर्टिंग सही है, तो ईरान, अमेरिका और अन्य पक्षों के बीच मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान द्वारा निभाई जा रही भूमिका का पूरी तरह से पुनर्मूल्यांकन करना आवश्यक होगा। इजरायल के प्रति पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों के कुछ पूर्व बयानों को देखते हुए, अगर यह सच होता है तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

धमाके से दहला पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा, आत्मघाती हमले में 9 लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, (आरएनएस)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक भीड़-भाड़ वाले बाजार में हुए ब्लास्ट में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जाता है कि यह ब्लास्ट नौरंग बाजार में हुआ जो खैबर पख्तूनख्वा का काफी व्यस्त कारोबारी केंद्र माना जाता है।

प्राथमिक सूचना के मुताबिक यह एक आत्मघाती हमला था। हमलावर विस्फटकों से लैस एक ऑटो रिक्शा में सवार हो कर भीड़ भरे बाजार में पहुंचा और धमाका कर दिया। इस ब्लास्ट में दो सुरक्षा अधिकारी समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोग घायल हो गए। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में हुई। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने नौरंग बाज़ार के फाटक चौक पर विस्फोटकों से भरे अपने ऑटो रिक्शा में धमाका कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि इस ब्लास्ट में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक महिला समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सराय नौरंग स्थित तहसील मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिस वक्त यह आत्मघाती हमला हुआ उस वक्त बाजार में काफी भीड़-भाड़ थी।

कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आगे के इलाज के लिए बन्नू और पेशावर के अस्पतालों में रेफर कर दिया गया है। घायलों की तादाद को देखते हुए अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है और सभी मेडिकल स्टाफ को बुला लिया गया है।

रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता शाहदाब खान ने बताया कि ब्लास्ट की सूचना मिलते ही राहत कार्यों के लिए घटनास्थल पर एंबुलेंस और टीमें भेजी गईं। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सुहैल अफरीदी ने इस ब्लास्ट का संज्ञान लिया और पुलिस महानिरीक्षक को घटना पर एक डिटेल्ड रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, इस मुश्किल समय में हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं, और प्रांतीय सरकार उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराएगी।

अगर दोबारा हमला हुआ तो 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन करेंगे : ईरान

तेहरान(आरएनएस)। पश्चिम एशिया संकट फिर गहराने लगा है। अमेरिका के प्रस्तावों का ईरान की ओर से दिया जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया तो तल्ख बयानों की झड़ी लग गई। इस बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि

अगर उस पर दोबारा हमला किया गया तो वह यूरेनियम संवर्धन की दर 90 प्रतिशत कर देगा। ईरानी संसद की कमीशन के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने दावा किया कि इस विकल्प पर संसद में समीक्षा की जाएगी। उन्होंने 90 प्रतिशत संवर्धन की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। यूरेनियम को 90 प्रतिशत तक समृद्ध करना हथियार स्तर का संवर्धन माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के मुताबिक ईरान पहले ही 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर चुका है, जो वेपन ग्रेड के काफी करीब माना जाता है। इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का बयान भी बढ़ते तनाव और टकराव की तस्दीक करता है। उन्होंने कहा है कि ईरान में बड़े पैमाने पर मिलिट्री एक्शन के दोबारा होने की पूरी आशंका है।ट्रंप के पहले चरण के दौरान नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर रहे एच.आर. मैकमास्टर का अनुमान है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू होगा। सीएनएन के एक शो में उनसे ट्रंप के उस बयान को लेकर सवाल किया गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ सीजफायर लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर है। यानी ये अत्यंत कमजोर स्थिति में है। सुर्खियों में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की टिप्पणी भी है। जिन्होंने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि ईरान के साथ युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक देश के पास बहुत ज्यादा संवर्धित यूरेनियम का भंडार है।

पश्चिम बंगाल में सीमा बाड़ के आदेश पर बांग्लादेश बोला- हम कटीलें तारों से नहीं डरते

ढाका,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि हस्तांतरित का आदेश दिया है, जिस पर बांग्लादेश का बयान आया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार एम हुमायूं कबीर ने कहा कि बांग्लादेश कांटेदार तारों से भयभीत नहीं है और अगर सीमा पर हत्याएं जारी रहती हैं तो वह चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश बातचीत जारी रखेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्रालय में पत्रकारों से बात करते हुए कबीर ने कहा, बांग्लादेश कांटेदार तारों से नहीं डरता। जहां बातचीत की जरूरत होगी, हम वहां बातचीत करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत सरकार दोनों पड़ोसी देशों के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करना चाहती है, तो उसे सीमा सुरक्षा मुद्दों को संबोधित करने में अधिक मानवीय दृष्टिकोण प्रदर्शित करना होगा। उन्होंने चुनावी बयानबाजी को अलग मामला बताया। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं के बयान पर कबीर ने कहा कि चुनावी बयानबाजी और शासन 2 अलग-अलग मामले हैं।

कैलिफोर्निया में मेयर बन गई थी चीन की जासूस! ड्रैगन की चाल से उड़े अमेरिका के होश

कैलिफोर्निया/अमेरिका (आरएनएस)। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने कैलिफोर्निया के आर्केडिया शहर की मेयर ईलीन वांग पर चीन के लिए अवैध एजेंट के तौर पर काम करने का गंभीर आरोप लगाया है। संघीय अदालत में वांग के खिलाफ मामला दर्ज

किया गया है। एफबीआई के मुताबिक, ईलीन वांग ने साल 2020 से 2022 के बीच चीन सरकार के अधिकारियों के निर्देश पर काम किया और अमेरिका में चीन के हितों को बढ़ावा देने की कोशिश की। वांग पर हुए इस खुलासे के बाद अमेरिकी प्रशासन के होश उड़े हुए हैं।

एफबीआई के मुताबिक, ईलीन वांग और याओनिंग माइक सन नाम के शख्स ने चीन की सरकार के इशारे पर अमेरिका में रह रहे कुछ लोगों के साथ मिलकर जमकर प्रॉपेगैंडा फैलाया। इसके लिए उन्होंने यूएस न्यूज़ सेंटर नाम की वेबसाइट का इस्तेमाल किया, जिसे स्थानीय चीनी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक न्यूज प्लेटफॉर्म बताया जाता था। जांच एजेंसियों का कहना है कि इस वेबसाइट पर चीन समर्थक सामग्री चीन सरकार के निर्देश पर प्रकाशित की जाती थी।, 58 साल की ईलीन वांग ने इस मामले में लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया है। इस अपराध में अधिकतम 10 साल तक की सजा हो सकती है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, वांग सोमवार दोपहर लॉस एंजिलिस स्थित अमेरिकी जिला अदालत में पेश होंगी और आने वाले हफ्तों में औपचारिक रूप से अपना गुनाह कबूल कर सकती हैं।

इजरायली हमले में लेबनान के 6 लोगों की मौत और 7 घायल

बेरूत (आरएनएस)। लेबनान के दक्षिणी हिस्से पर इजरायली हमले जारी हैं। एक कस्बे पर इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बेका में दुश्मन सेना की ओर से निकासी चेतावनी जारी करने के कुछ ही घंटों बाद, दुश्मन के युद्धक विमानों ने पश्चिम बेका के सहमार कस्बे को निशाना बनाया।रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार रात इजरायली हमलों ने कफर डूनिन में एक घर को निशाना बनाया। यह कस्बा बेरूत से लगभग 95 किलोमीटर (59 मील) दूर स्थित है।रिपोर्ट के मुताबिक, घायलों को तटीय शहर टायर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दक्षिणी लेबनान के बिंत जुबैल इलाके में भी इजरायली बलों ने ऐन अल-सगीरा मोहल्ले में कई मकानों को ध्वस्त कर दिया। इस घटना पर इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला-हरदा (म.प्र.)

हरदा, दिनांक 11 मई, 2026

-:विज्ञप्तिः-

-:: म.प्र. आबकारी अधिनियम, के अंतर्गत जप्त राजसात वाहनों के निवर्तन हेतु निविदा आमंत्रण:: -

सर्वसाधारण की जानकारी एवं इच्छुक मोटर ऑपरेटर्स की विशेष जानकारी के लिये यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि, हरदा जिले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा-34 (1) की उपधारा-(2) के अंतर्गत मदिरा के अवैध परिवहन में जप्तशुदा राजसात किए गए वाहनों के नीलामी हेतु सीलबंद निविदाएँ कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, कलेक्टोरेट, जिला हरदा में आमंत्रित की जाती है।

माननीय कलेक्टर न्यायालय द्वारा राजसात किए गए वाहन निम्न सारणी अनुसार उसके सम्मुख दर्शाए स्थान पर जिस हालत में है, उसी हालत में अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेंगे। निविदा की शर्ते एवं निविदा फॉर्म क्रय/विक्रय किया जाना तथा अन्य जानकारी अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रत्येक कार्य दिवस में दिनांक 29 मई, 2026 दिन शुक्रवार को 12:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, कलेक्टोरेट, जिला हरदा से प्राप्त की जा सकती है।

म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915, की धारा-34 (2) के अंतर्गत 50 बल्क लीटर से अधिक मदिरा परिवहन के दौरान जप्त किये गये वाहनों को कलेक्टर न्यायालय, जिला-हरदा द्वारा राजसात किये जाने के उपरांत वाहनों का टेण्डर प्रपत्र खोलने की कार्यवाही कलेक्टोरेट, हरदा के सभकक्ष में दिनांक 29 मई, 2026 दिन शुक्रवार को समय 16.00 बजे से कलेक्टर महोदय की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा की जावेगी।

राजसात वाहनों की नीलामी हेतु निविदा की पूर्ण पूर्ति के पश्चात् इच्छुक व्यक्ति द्वारा निविदाएँ दिनांक 29 मई, 2026 दिन शुक्रवार को समय 14:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, कलेक्टोरेट, जिला हरदा में जमा की जाना अनिवार्य होगा। निर्धारित दिनांक एवं समय पश्चात् प्राप्त होने वाली निविदाऐ स्वीकार्य नही की जायेगी। प्राप्त निविदाएं दिनांक 29 मई 2026 दिन शुक्रवार को समय 16:00 बजे कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, कलेक्टोरेट, जिला-हरदा में उपस्थित निविदादाताओं/अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष कलेक्टर, जिला-हरदा द्वारा गठित समिति के द्वारा खोली जायेगी, परंतु निविदादाताओं की अनुपस्थिति निविदा खोलने की प्रक्रिया में बाधक नही होगी। वाहनों का निवर्तन, ऑफसेट प्राईस के आधार पर किया जावेगा। वाहनों का प्रकार एवं उनका ऑफसेट प्राईस (अनुमोदित मूल्य) तथा निर्धारित ऑफसेट प्राईस की 50 प्रतिशत अग्रिम धरोहर राशि निम्नानुसार निर्धारित है :-

क्र.	वाहन का प्रकार	वाहन पंजीयन क्रमांक/या चेचिक क्र./ इंजन क्र.	वाहन वर्तमान में उपलब्ध होने का स्थान.	अपराध प्रकरण क्रमांक /दिनांक तथा प्रकरण का विवरण	कलेक्टर न्यायालय का आदेश क्र./दि.	ऑफसेट प्राईस	50 प्रतिशत अग्रिम धरोहर राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	होण्डा कम्पनी की मोटर सायकल	M P 47 ZB 6503	पुलिस थाना सिराली	सिराली थाने का अप. क्र.249 21.08.2024	2824 10.03.2025	17,000	8,500
2	होण्डा कम्पनी की लीवो मोटर सायकल	M P 47 M L 6407	पुलिस थाना टिमरनी	पुलिस थाना टिमरनी का अप. क्र. 613/23 22. 10.2023	6919 03.05.2024	15,500	7,750
3	काले रंग की पेशन प्रो. मोटर सायकल	M P 47 M J 1278	पुलिस थाना सिविल लाईन हरदा	पुलिस थाना सिविल लाईन का अप. क्र. 467/23 07.11.2023	6151 30.04.2024	22,500	11,250
4	बजाज कंपनी की C T -100 मोटर सायकल	M P 47 MK 2258	पुलिस थाना हण्डिया	हण्डिया थाने का अप. क्र. 199 15.09.2024	4449 08.05.2025	18,000	9,000
5	काले रंग की पल्सर मोटर सायकल	M P 47 ZB 6457	पुलिस थाना टिमरनी	टिमरनी थाने का अप.क्र.162 26.03.2025	11493 12.08.2024	19,000	9,500
6	हीरो होण्डा सी.सी. डीलक्स नीले रंग	बिना नम्बर, बिना इंजन नंम्बर तथा बिना चेचिस नम्बर की	आबकारी उपनिरीक्षक वृत-टिमरनी	आबकारी उपनिरीक्षक वृत-टिमरनी का अप. क्र. 462/2023 28.11.2022	10370 15.09.2023	2,500	1,250
7	हीरो कम्पनी की पेषन प्लस मोटर सायकल	M P 47 ZB 8599	पुलिस थाना छीपाबड़	पुलिस थाना छीपाबड़ का अप. क्र.107/24 19.03.2024	7752 29.05.2024	16,000	8,000
8	बिना नम्बर की एक्टिवा स्कूटी M P 47 Z A 2276	इंजन नं.J K E W30428 03 फ्र फ्रेम नं.M F4JK 154J N W043712	सिविल लाईन, हरदा	सिविल लाईन थाना का अप.क्र.125/2024 दिनांक 06.04.2024	9243 28.06.2024	18,500	9,250
9	मारुति सुजुकी कम्पनी की कार	M P 09 C C 4237	पुलिस थाना हण्डिया	पुलिस थाना हण्डिया का अप. क्र. 326/2023 11.10.2023	6152 30.04.2024	21,000	10,500
10	हरे रंग की स्कॉर्पियों	M P 12 T 0480	पुलिस थाना सिविल लाईन, हरदा	सिविल लाईन, हरदा का अप.क्र. 143/24 14.04.2024	1245 31.01.2025	60,000	30,000
11	टाटा इन्ट्रा पिकअप	M P 47 ZB 9672	पुलिस थाना कोतवाली, हरदा	कोतवाली थाना का अप. क्र. 192/2024 25. 03.2024	9244 28.06.2024	80,000	40,000
12	काले रंग की बजाज सी.टी. 100 मोटर सायकल	M P 12 M T 7009	पुलिस थाना छीपाबड़	पुलिस थाना छीपाबड़ का अप. क्र. 189/2024 16.05.2024	9779 09.07.2024	18,500	9,250
					कुल योग राशिः-	3,08,500	1,54,250

सर्वप्रथम भाग-1 खोलने पर उसमें प्रस्तुत किये गये समस्त कागजात (धरोहर राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट, शपथ-पत्र 100 रूपये के स्टॉम्स पेपर पर, पहचान पत्र की छायाप्रति, पेन कार्ड की छाया प्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, एवं निवास संबंधी दस्तावेज सहित अपना मोबाईल नम्बर) जांच में सही पाए जाने के उपरांत निविदा भाग-2 खोला जायेगा। जिसमें निविदादाताओं द्वारा दिये गये उच्चतम ऑफर की घोषणा की जाएगी। निविदा में प्राप्त राशि यदि निर्धारित ऑफसेट प्राईस की राशि से अधिक है, तो निविदा आवेदन पत्र स्वीकृत किये जा सकते है। यदि किसी वाहन हेतु प्राप्त निविदा ऑफसेट प्राईस से कम है, तो कलेक्टर स्वविवेक पर आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश, ग्वालियर को प्रकरण अग्रेषित कर सकते है अथवा पुनः विज्ञप्ति जारी करने हेतु निर्णय ले सकते है। इस संबंध में कलेक्टर जिला हरदा द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा।

वाहनों के निलामी से संबंधित अन्य नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समय में कार्यालय में देखी/प्राप्त की जा सकती है।

जी/12750/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

जिला आबकारी अधिकारी
जिला हरदा (म.प्र.)

खेल समाचार

40 में सिर्फ 1 ओवर स्पिन.. फिर भी नहीं टूटा IPL का ये रिकॉर्ड, धर्मशाला में क्यों नजरअंदाज हुए स्पिनर्स?

नई दिल्ली(ए.)। आईपीएल 2026 में रोज नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, लेकिन 11 मई को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मुकाबले में ऐसा अनोखा आंकड़ा देखने को मिला जिसने सभी को हैरान कर दिया। दिल्ली ने मुकाबला जीत लिया, लेकिन चर्चा मैच से ज्यादा उस फैसले की रही जिसमें दोनों टीमों ने लगभग पूरे मैच में स्पिन गेंदबाजों को नजरअंदाज कर दिया। खास बात यह रही कि पूरे मुकाबले में सिर्फ तेज गेंदबाजों ने ही गेंदबाजी की और स्पिनर्स को मौका तक नहीं मिला। पंजाब ने अपने अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल को भी प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया। 39 ओवर के इस मुकाबले में एक भी ओवर स्पिन गेंदबाज से नहीं कराया गया। आईपीएल इतिहास में ऐसा बेहद कम देखने को मिला है। इससे पहले शुरुआती सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच हुए मैच में स्पिनर्स को लगभग नजरअंदाज किया गया था, जहां

सिर्फ दो गेंदें स्पिनरों ने फेंकी थीं। उस मुकाबले में 39.4 ओवर तेज गेंदबाजों ने डाले थे और अब पंजाब-दिल्ली मैच ने फिर उसी रिकॉर्ड की याद दिला दी। मैच के बाद पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच सुनील जोशी ने टीम की रणनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि टाइम-आउट के दौरान स्पिन गेंदबाजों को आजमाने पर चर्चा हुई थी, लेकिन पिच और मौसम की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के पक्ष में थीं। उनका कहना था कि नई गेंद लगातार स्विंग कर रही थी और बल्लेबाजों को परेशानी हो रही थी, इसलिए कप्तान और टीम मैनेजमेंट ने पेस अटैक पर भरोसा बनाए रखने का फैसला किया।कोच ने कहा कि शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों ने टीम को शानदार शुरुआत भी दिलाई थी, लेकिन बीच में हुई एक बड़ी साझेदारी मैच का रुख बदल गई। उनके मुताबिक टीम ने विकेट निकालने की कोशिश की, लेकिन दिल्ली के बल्लेबाजों ने दबाव को अच्छी तरह संभाल लिया। लगातार चौथी हार के बाद पंजाब किंग्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम को अब आने वाले मुकाबलों में शानदार वापसी करनी होगी। हालांकि टीम मैनेजमेंट बड़े बदलाव के मूड में नजर नहीं आ रहा। कोच ने साफ किया कि टीम का संतुलन अच्छा है और खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

पंजाब किंग्स की लगातार चौथी हार, दिल्ली कैपिटल्स ने 3 विकेट से दी मात

नई दिल्ली(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 55वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स को 3 विकेट से मात दे दी है. 211 रनों के लक्ष्य को दिल्ली ने कप्तान अक्षर और मिलर के अर्धशतक की बदौलत 19 ओवर में ही 7 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया.

अक्षर ने 30 गेंद में 56 और डेविड मिलर ने 28 गेंद में 51 रनों की पारी खेली. इसके अलावा आखिर में आशुतोष ने 10 गेंद में 24, माधव तिवारी 8 गेंद में 18 और आकिब नबी ने 2 गेंद में 10 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी. इस जीत के साथ दिल्ली के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना अभी भी जिंदा हैं. दिल्ली के अब 12 मैच में 5 जीत के साथ 10 पॉइंट्स हो गए हैं और वो अंक तालिका में 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं.

पंजाब के गेंदबाजों की तरफ से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 4 ओवर में 21 रन देकर दो विकेट हासिल किए. इसके अलावा दूसरे सभी गेंदबाजों ने 10 से ऊपर की औसत से रन खर्च किए. जिसकी वजह से पंजाब 210 रनों को डिफेंड नहीं कर सका.वहीं दूसरी ओर ये पंजाब किंग्स की लगातार चौथी हार है. लेकिन वो 11 मैच में 6 जीत के साथ चौथे स्थान पर बरकरार है. आज के मैच को जीतकर उसे पहले स्थान पर पहुंचने का सुनहरा मौका था, लेकिन वो इसको हासिल करने से चूक गए. इससे पहले पंजाब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाए. जिसमें प्रियांश आर्या के तेज तर्रार 33 गेंद में 2 चौके और 6 छक्के की मदद से 56 रन सबसे खास थे. इसके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर 36 गेंद नें 59 रन बनाकर नाबाद रहे.

आईपीएल 2026 के दो फाइनलिस्ट के नामों का खुलासा करके गावस्कर ने चौंकाया

नई दिल्ली(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां सीजन धीरे धीरे अपने समापन की ओर बढ़ रहा है. अब तक दस टीमों में से दो टीमें - मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स - प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. इस बीच भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2026 सीजन के फाइनलिस्ट को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है. उनका मानना है कि पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस बार भी फाइनल खेलेगी. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में 14 पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंच गई है. जबकि पंजाब किंग्स, जिसने सीजन की शुरुआत जोरदार तरीके से की थी और अपने पहले सात मैचों में अजेय रही थी, अब लगातार तीन हार के बाद वापसी की तलाश में है. फिर भी वो 13 पॉइंट्स लेकर अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है, क्योंकि वह अभी पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है. गावस्कर ने कहा. मैं अब भी पंजाब किंग्स का ही साथ दूंगा. कभी-कभी, कुछ हारें असल में टीम को फिर से तैयार होने और अति-आत्मविश्वास से बचने में मदद कर सकती हैं. पंजाब को पता होगा कि टूर्नामेंट का

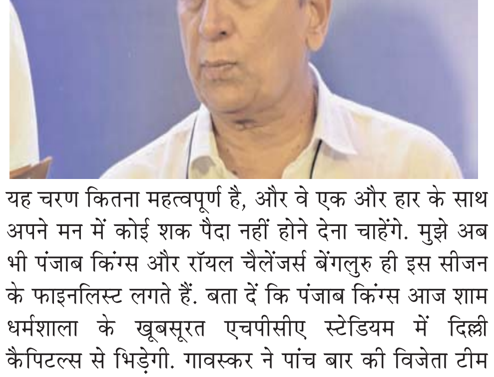

यह चरण कितना महत्वपूर्ण है, और वे एक और हार के साथ अपने मन में कोई शक पैदा नहीं होने देना चाहेंगे. मुझे अब भी पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ही इस सीजन के फाइनलिस्ट लगते हैं. बता दें कि पंजाब किंग्स आज शाम धर्मशाला के खूबसूरत एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी. गावस्कर ने पांच बार की विजेता टीम मुंबई के बाकी बचे सीजन के लिए उनकी रणनीति पर विस्तार से बात की और कहा कि यह युवा खिलाड़ियों को मौका देने का सही समय हो सकता है. ।

ढाका टेस्टः मोमिनुल हक 5,000 रन बनाने वाले तीसरे बांग्लादेशी बने, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(ए.)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोमिनुल हक ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ ढाका के शेर-ए बांग्ला स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में शानदार अर्धशतकीय पारी (56) खेली। यह उनके टेस्ट करियर का 27वां अर्धशतक रहा। पारी का 50वां रन बनाते ही उनके टेस्ट क्रिकेट में 5,000 रन भी पूरे हो गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले बांग्लादेश के केवल तीसरे बल्लेबाज बने हैं। आइए उनके आंकड़े जानते हैं।बांग्लादेश को अपनी दूसरी पारी में 15 रन के कुल स्कोर पहला झटका लग गया था। उसके बाद बल्लेबाजी पर आए मोमिनुल ने कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के साथ तीसरे विकेट के लिए 105 रन की शतकीय साझेदारी करते हुए टीम को संकट से बाहर निकाला।

इंदिरा ज्योति यात्रा में कांग्रेसियों में दिखा विशेष उत्साह

तेजी से सक्रिय हुए कांग्रेसी, चलें रामराज्य की ओर संकल्प यात्रा से मिला सकारात्मक संदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। इंदिरा ज्योति यात्रा के आगमन से कांग्रेसियों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला। कुछ दिन पूर्व से ही शहर के सभी कांग्रेसियों में इस यात्रा आगमन के प्रति उत्साह बना हुआ था। जिसकी जानकारी सभी कांग्रेसियों तक पहुंचाई गई थी। तभी तो इस कार्यक्रम में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पूर्व जिलाध्यक्ष समेत प्राय: सभी कांग्रेसी तेज गर्मी के बाद भी घर से निकले और पर्याप्त समय दिया। यहां तक कि महिलाएं भी कार्यक्रम में शामिल हुई। इस यात्रा के आगमन पर शहर के अनेक स्थानों पर स्वागत किया गया। यात्रा में आए अनेक पुस्तकों के लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व कांग्रेस से जुड़े विद्वान वक्ता भास्कर राव रोकड़े ने अपने अनेक अनुभव सुनाए और मप्र के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने भी सभा को संबोधित किया। इस यात्रा में जिले के वरिष्ठ और युवा कांग्रेसियों ने बढ़चड़ कर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिससे कांग्रेसियों में जोश देखा जा रहा है।

विशेष बात यह है कि महात्मा गांधी की रामराज्य की अवधारणा को मूर्त रूप प्रदान करने हेतु चलें रामराज्य की ओर अभियान से कांग्रेसियों में एक अलग ही संदेश गया है। क्योंकि भाजपा ने राम के नाम को भुनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। जबकि राम राज्य की कल्पना गांधी जी ने की थी। इसके बाद भी कांग्रेस ने राम के नाम का वैसा फायदा नहीं ले सकी जैसा भाजपा ने लिया है। अब चलें रामराज्य की ओर अभियान से कांग्रेस को एक नई दिशा मिल रही है।

विभिन्न वर्ग के लोगों को लिया गया

बताया गया है कि चलें रामराज्य की ओर अभियान में अनेक वर्ग के लोग शामिल हैं जिसमें केंद्रीय समन्वयक एडवोकेट सैयद साजिद अली है। उनके साथ केंद्रीय एक्जीक्यूटिव कमेटी में एक सिक्ख एक ईसाई एक जैन एक बौद्ध एक एक ठाकुर, ब्राह्मण वैश्य ओबीसी ईबीसी एससी व एसटी के सदस्य अर्थात अनेक वर्ग को शामिल किया गया है। इंद्रिरा ज्योति यात्रा में विशेष योगदान देने वालों में यात्रा के जिलाध्यक्ष पं गोपाल कृष्ण शर्मा, जिलाध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्येंद्र फौजदार, पूर्व विधायक पं गिरजाशंकर शर्मा, पूर्व नपाध्यक्ष मीना वर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शीला यादव, राधेश्याम पटेल, दिलीप पालीवाल, हेमंत नरवरिया, अजय सैनी, अनोखी राजोरिया, धर्मेंद्र तिवारी, अशोक अहिरवार, विशाल प्रधान, नीरज सैनी, मनोज तिवारी, तेजसिंह बडकुर, साकेत सोनी पिपरिया, हेमू कश्यप, बाबू चौधरी, गुलाम हेदर, राजा खान, संतोष तोमर, राजा तोमर, हरीश बेमन, सहित जिले भर से आए कांग्रेसी शामिल रहे। मंच संचालन सूरज तिवारी ने आभार प्रदर्शन पं गिरजा शंकर शर्मा ने किया।

विवेकानंद युवा 15 को करेगा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। विवेकानंद युवा मंडल के द्वारा पूर्व के 15 वर्षों की भांति इस वर्ष भी कक्षा 10 वीं 12 वीं में अपने विद्यालयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। विवेकानंद युवा मंडल के अध्यक्ष भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री प्रसन्न हर्णे ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इन मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान 15 मई को हेप्पी मेरिज गार्डन में सायं 4.30 बजे से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संगठन के इस शैक्षणिक कार्यक्रम में अतिथि के रूप में धर्माचार्य पं सोमेश परसाई, जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी नारायण प्रजापति, समाजसेवी डॉ अतुल सेठा, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत हर्णे, एनजीटी के स्टैंडिंग काउंसलर संजय श्रीवास्तव चार्टर्ड एकाउंटेट उपस्थित रहेंगे। श्री हर्णे ने बताया कि इस कार्यक्रम में शहर के सभी शासकीय अशासकीय एवं सीबीएसई स्कूलों के विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ ही उनके माता पिता और स्कूल संचालकों को भी आमंत्रित किया गया है।

एक अच्छी पहल

उल्लेखनीय है कि विवेकानंद युवा मंडल के द्वारा शहर में अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक व शैक्षणिक के साथ ही खेलकूद के उत्कृष्ठ आयोजन करते हुए युवाओं सहित समाज के हर वर्ग के लोगों को जोड़ने का सार्थक प्रयास किया जाता है। शहर में और भी अनेक संगठन हैं लेकिन विवेकानंद युवा मंडल के द्वारा एक अच्छी सराहनीय पहल की जाती है। पत्रकार वार्ता में विवेकानंद युवा मंडल के अनेक पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सुनीं जनसमस्याएं

उपार्जन एवं विद्युत व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

नर्मदापुरम। बनखेड़ी (निप्र)। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मंगलवार को चांदौन निवास पर जनता जनार्दन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विषयों के त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि जनसेवा और क्षेत्रवासियों का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है तथा आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा।इस दौरान सांसद श्री चौधरी ने बनखेड़ी तहसील की गेहूं उपार्जन कार्य में लगी सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर उपार्जन व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने हेतु आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। समितियों के प्रतिनिधियों ने उपार्जन कार्य में आ रही विभिन्न समस्याओं एवं दिक्कतों से अवगत करायाए जिनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। सांसद श्री चौधरी ने जनता को निर्बाध एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, ट्रांसफार्मर खराब होने की स्थिति में त्वरित सुधार कार्य करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत संबंधी शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता बलराम बैस संजीव मालानी भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान सदस्य नीतिराज सिंह पटेल रमेश पटेल छोटे साहब बृजेश कौरव धीरू तिवारी रंजीत सिंह रिंकू पांडे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने किया गेहूं उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मंगलवार को इटारसी क्षेत्र के गेहूं उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निमसाड़िया समिति द्वारा संचालित उपार्जन केंद्र गोविंद वेयरहाउस ब्यावरा एवं नमामि स्वसहायता समूह द्वारा संचालित उपार्जन केंद्र एचएल वेयरहाउस पहुंचकर उपार्जन कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री मिश्रा ने दोनों केंद्रों पर कार्यरत खरीदी प्रभारियों को निर्देश दिए कि खरीदे गए गेहूं स्कंध के परिवहन कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि केंद्रों पर पर्याप्त स्थान उपलब्ध रहे और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि केंद्र पर पहुंच रहे किसानों की उपज का शीघ्रता से उपार्जन सुनिश्चित किया जाए तथा सूर्यास्त तक तुलाई कार्य निरंतर जारी रखा जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदाम स्तरीय केंद्रों पर स्टेकिंग कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तुलाई के उपरांत समिति द्वारा व्यवस्थित स्टेकिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही गोदाम में स्थान कम होने पर परिसर में तुलाई की समुचित व्यवस्था करने के लिए छांव एवं कांटों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

रोजगार का सुनहरा अवसर 14 मई को सोहागपुर में लगेगा रोजगार मेला

नर्मदापुरम (निप्र)। शासन प्रशासन के द्वारा हर माह जिले में रोजगार कार्यालय के सहयोग से रोजगार स्वरोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षित बेरोजगार युवाओं को लाभांवित करने के लिए जिला मुख्यालय के अलावा अन्य तहसील स्तर पर भी रोजगार युवा संगम रोजगार स्वरोजगार मेला का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न कंपनियां भी आ रही हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार इस बार पं जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय सोहागपुर में युवा रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें अनेक कंपनियों ने आने की स्वीकृति प्रदान की है। प्रमुख रूप से जो कंपनियां आ रही हैं उनमें 1 ग्रू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड मोहसा औद्योगिक क्षेत्र नर्मदापुरम, 2 ट्राईडेट बुधनी, 3 वर्धमान बुधनी 4 टीएम गुजरात 5 पांडव होटलस 6आईसर 7 मैन्युफैक्चरर्स प्राइवेट औबेदुल्लागंज लिमिटेड 8 टाटा मोटर्स एवं कुल 20 कंपनियां 14 मई को आयोजित रोजगार मेले में उपस्थित रहेंगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com